माघ शुक्ल पक्ष-प्रतिपदा, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 251 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
25 फरवरी 2024
रविवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

भाजपा के चुनाव शिल्पकार ने शुरू किया *मप्र मिशन*, शाम को भोपाल में

कई गुना ज्यादा ताकत लगाने की तैयारी, मप्र पहुंचे शाह ने दिए संकेत

ग्वालियर/भोपाल, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज लोकसभा चुनाव के लिए मप्र मिशन पर पहुंच गये हैं। उनका पहला पड़ाव ग्वालियर है जहां वे ग्वालियर व चंबल संभाग की सभी लोकसभा सीटों के लिये जरूरी सभी गणितों को हल करने की कोशिश में चुनिंदा नेताओं व कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। यह दोनों संभाग चार साल पहले बदली राजनीतिक स्थितियों के चलते बहुत महत्वपूर्ण हैं। चूंकि भाजपा पिछले जीती सभी 28 सीटों समेत छिंदवाडा सीट जीतने की जुगत में है और संभावना यह भी है कि ग्वालियर या आसपास की किसी सीट से ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत कुछ खास चेहरे चुनाव में उतरेंगे। शाह ग्वालियर में दोनों संभाग के चुनिंदा कार्यकर्ता और नेताओं से संवाद कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव में भी शाह ने इसी 'तकनीक' से चुनावी संरचना तैयार की थी। भोपाल में शाम को उनका बुध्दिजीवियों के साथ संवाद है तो इससे पहले वे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के संसदीय क्षेत्र खजुराहो में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे। खजुराहो ही वह इकलौती सीट है जो कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के लिये छोड़ दी है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि भाजपा को अपनी उन सीटों की चिंता है जहां हाल में कांग्रेस के उम्मीदवारों को विस चुनाव में बढत मिली है। ऐसी लगभग आधा दर्जन सीटों पर भाजपा अतिरिक्त ताकत झोंकने के मूड में हैं। ग्वालियर में बीते पांच वर्ष में हुए सभी चुनावी मुकाबलों में कांग्रेस ने भाजपा पर कभी बढत तो कभी बराबरी रखी है। लिहाजा आज शाह ग्वालियर, मुरैना, भिंड और गुना की प्रबंध समिति की बैठक ले रहे हैं।

रविवार को ग्वालियर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का सीएम डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्वागत किया।

गुना लौटेंगे महाराज !

भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की हाल के दिनों में गुना-शिवपुरी लोकसभा सीट पर सक्रियता चर्चा में रही है। इसे गुना से चुनाव लड़ने की तैयारी के तौर पर देखा गया है। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय केशव स्मृति भवन में संघ पदाधिकारियों संग बंद कमरे में चर्चा कर चुके हैं। हाल में गुना में सिंधिया ने धाकड़ किरार सम्मेलन में समाज के लोगों को अपना साथ देने की कसम खिलाते हुए कहा था 'परिवार का मुखिया होने के नाते मैंने हमेशा आपका साथ दिया है, क्या आप मेरे साथ खड़े हो?'

पीएम मोदी की भोजनीति...! बसपा सांसद ने पार्टी छोड़ी

उप्र के अंबेडकर नगर से बहुजन समाज पार्टी के लोकसभा सांसद रितेश पांडे ने बसपा की प्राथमिक सदस्यता से आज इस्तीफा दे दिया। रितेश बीजेपी में शामिल हो सकतें हैं। खास बात यह है कि रितेश पांडे उन 9 सांसदों में शामिल थे जिन्होंने संसद के बजट सत्र के दौरान संसद भवन की कैंटीन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लंच किया था। माना जा रहा है कि बीजेपी रितेश पांडे को अंबेडकरनगर से टिकट दे सकती है। राजनीतिक परिवार से आने वाले रितेश के पिता राकेश पांडे समाजवादी पार्टी से विधायक हैं। मायावती को भेजे इस्तीफे में रितेश पांडे ने लिखा- 'जब मैंने बसपा ज्वॉइन की तो आपका मार्गदर्शन मिला, मैं आपके, और पार्टी कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों के आभार प्रकट करता हूं।'

राहुल की न्याय यात्रा में अखिलेश

भाजपा से लड़ने 'दोनों लड़के' आज आगरा में एक साथ

अलीगढ/आगरा, एजेंसी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में आज अलीगढ में जोरदार भीड उमडी। यात्रा में प्रियंका गांधी भी शामिल हैं, वे कल भी मुरादाबाद में यात्रा में शामिल थी, जो उनका ससुराल भी है। आज अलीगढ में दोनों को देखने वाले और कांग्रेस-सपा समर्थकों की भीड़ है। आज अपरांह यात्रा के आगरा पहुंचने पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इसमें शामिल हो रहे हैं। 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस-समाजवादी पार्टी गठबंधन को मिली शर्मनाक हार के बाद कांग्रेस सपा की चुनावी दोस्ती टूट गई थी। मगर उस चुनाव में दोनों को दो लड़कों की दोस्ती कहकर प्रचारित किया गया था।

यादव ने कांग्रेस की यात्रा में अपने शामिल होने को लेकर कहा, हम यात्रा में शामिल होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने खुद अखिलेश को आगरा में

राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। न्याय यात्रा के साथ जुड़ने का अखिलेश यादव का निर्णय महत्वपूर्ण लोकसभा चुनावों से पहले गठबंधन बनाने और विपक्षी ताकतों के बीच एकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है।

किसान आंदोलन का 'तनाव' हुआ कम, इंटरनेट शुरू, रास्ते खुलेंगे

चंडीगढ, एजेंसी।

किसान आंदोलन के चलते रोकी गई सेवाओं को सरकार ने बहाल करना शुरू कर दिया है। हरियाणा के सात जिलों कैथल, कुरुक्षेत्र, अंबाला, फतेहाबाद, सिरसा, जींद और हिसार में में 13 फरवरी से बंद इंटरनेट सेवाएं आज सुबह इंटरनेट सेवा शुरू कर दी गई है। इंटरनेट शुरू होने से लोगों को बड़ी राहत मिली है। माना जा रहा है कि सरकार अब सील किए गए रास्ते पर भी कुछ राहत दे सकती है।

किसान आंदोलन के चलते गत 13 फरवरी से ही इंटरनेट सेवाएं बंद चल रही थीं, इसके साथ ही पंजाब से लगती जिले की सीमाएं भी सील की गई थीं। जिला के पेहवा इलाके के पंजाब से लगते ट्यूकर और इस्मा इलाहाबाद के कुम्हार माजरा बॉर्डर को सील किया हुआ था, जबकि नेशनल हाईवे 44 को भी शाहाबाद में मारकंडा नदी के पास सील कर दिया था।

देर रात तक सरकार की यह पाबंदी जारी रही, लेकिन आज सुबह से जैसे ही इंटरनेट सेवाएं बहाल हुई तो लोगों को बड़ी राहत मिली। वहीं उम्मीद की जा रही है कि आज से ही सील की गई सीमाओं के साथ-साथ नेशनल हाईवे पर भी कुछ राहत दी जाए।

7 देशों ने हूती विद्रोहियों के ठिकाने तबाह किए

नई दिल्ली, एजेंसी।

यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर अमेरिका और ब्रिटेन समेत 7 देशों की सेना ने मिलकर बड़ा हमला किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि यमन की राजधानी सना में हूती के ठिकानों को निशाना बनाकर ये हमले किए गए हैं और इस दौरान 18 ठिकानों को निशाना बनाया गया। हूती आतंकी मालवाहक जहाजों पर हमला कर रहे थे और यमन को मानवीय मदद रोकने का प्रयास कर रहे थे.इसलिए हमने उनपर हमला किया गया। ब्रिटिश और अमेरिकी फौजों के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, कनाडा, डेनमार्क, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड की फोर्स ने भी इस साझा हमले को अंजाम दिया है। दरअसल हूती विद्रोहियों पर किए गए हमले अभी तक हूतियों के एक्शन को रोकने में विफल रहे थे, जिसकी वजह से वैश्विक व्यापार बाधित हो रहा था और शिपिंग दरें बढ़ गई। हमलों में भाग लेने वाले या समर्थन देने वाले देशों ने इस मामले में एक संयुक्त बयान भी जारी किया है।

सीएम योगी के काफिले की गाड़ी पलटी, दो मौत

लखनऊ, एजेंसी।

उप्र के अर्जुनगंज में सीएम योगी के काफिले से जुड़ी गाड़ी जबर्दस्त हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे में घायल हुए 11 लोगों में से दो की मौत हो गई है। बताया जाता है कि घायल लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा था, इस दौरान एक महिला और एक किशोरी की मौत हो गई है। देर रात मुख्यमंत्री अपने काफिले के साथ जा रहे थे, तभी उनकी फ्लीट से पहले रास्ते का निरीक्षण करने वाली एंटी डेमो गाड़ी के साथ हादसा हो गया और पलट गई थी। हादसे में 5 पुलिसकर्मियों सहित कुल 11 लोग घायल हुए थे। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये मुआवजा और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने और समुचित इलाज मुहैया करवाने का आदेश दिया है। जानकारी के मुताबिक सड़क पर मरे पड़े जानवर से टकराने के बाद यह हादसा हुआ। पुलिसकर्मियों के अलावा सड़क किनारे खड़े 6 आम नागरिक गाड़ी की चपेट में आने से घायल हो गए।

मेट्रो एंकर देश का सबसे लंबा केबल ब्रिज पीएम ने किया लोकार्पित

स्टील-कांक्रीट व इंजीनियरिंग की ताकत से तैयार हुआ सुदर्शन सेतु

द्वारिका, एजेंसी। देश में इंफ्रास्ट्रक्चर का एक और नायाब नमूना बनकर तैयार हुआ है, यह है सुदर्शन सेतु। ये देश का सबसे लंबा केबल ब्रिज है। इस ब्रिज को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित कर दिया है। यह गुजरात के द्वारका में स्थित है। यह केबल ब्रिज ओखा को समुद्र के बीच बसे बेट द्वारका से जोड़ता है। अगर इसकी लंबाई पर गौर करें तो यह करीब 2.32 किलोमीटर लंबा है। पुल के निर्माण को साल 2016 में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मंजूरी मिली थी। पहले इसकी अनुमानित लागत 962 करोड़ रुपये थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ा दिया गया।

नारी शक्ति पर जोरः पीएम मोदी ने आज नारी शक्ति पर जोर देते हुए कहा कि आज देश में हर ओर नमो ड्रोन दीदी की चर्चा हो रही है. अपने रेयिो कार्यक्रम मन की बात में उन्होंने सीतापुर की ड्रोन दीदी सुनीता से बात की और उन्हें बधाई दी, जिन्होंने बताया कि वो ड्रोन की मदद से कृषि कार्य कर रही हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि ये नमो ड्रोन दीदी कृषि क्षेत्र में प्रमुख काम कर रही हैं. मेरा ये मिशन लखपति दीदी बनाने का है. साथ ही उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में देश विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की. पीएम ने कहा कि 3 मार्च को 'विश्व वन्य जीव दिवस' है. इस दिन को वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है. इस वर्ष वर्ल्ड वाइड लाइफ डे की थीम डिजिटल इनोवेशन को सर्वोपरि रखा गया है. पिछले कुछ वर्षों में सरकार के प्रयासों से देश में बाघों की संख्या बढ़ी है।

'सुदर्शन सेतु' की खास बातें

■ 'सुदर्शन सेतु' द्वारकाधीश मंदिर में आने वाले निवासियों और तीर्थयात्रियों के लिए बहुत खास महत्व रखेगा। ■ चार लेन वाले 27.20 मीटर चौड़े ब्रिज पर दोनों तरफ 2.50 मीटर चौड़े फुटपाथ हैं। सेतु का अद्वितीय डिजाइन है। इसमें दोनों तरफ श्रीमद्भगवद गीता के श्लोकों और भगवान कृष्ण की छवियों से सजा हुआ एक फुटपाथ है। ■ इसमें फुटपाथ के ऊपरी हिस्से पर सौर ऊर्जा के पैनल भी लगाए गए हैं, जिससे एक मेगावाट बिजली पैदा होगी। ■ सुदर्शन सेतु के निर्माण से पहले, तीर्थयात्रियों को भेट द्वारका तक पहुंचने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। उन्हें नाव पर निर्भर रहना पड़ता था। मौसम खराब हो तो लोगों को प्रतीक्षा करनी होती थी। ■ इस ब्रिज का डेक कंपोजिट स्टील-रिइनफोर्स्ड कंक्रीट से बना है। ■ जिस पुल को 'सिग्नेचर ब्रिज' के नाम से जाना जाता था, अब उसका नाम बदलकर 'सुदर्शन सेतु' या सुदर्शन ब्रिज कर दिया गया है।

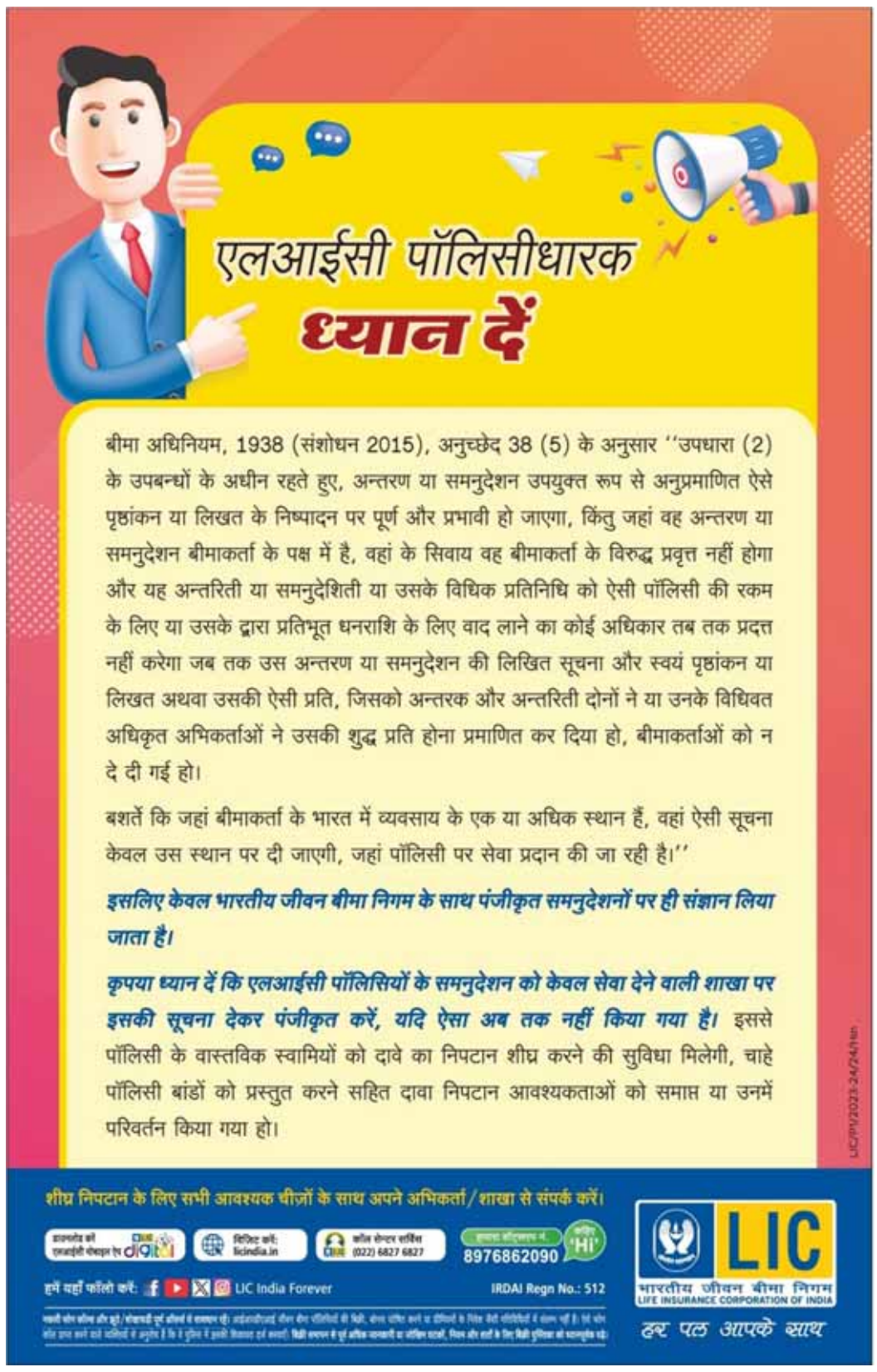

पेड़ों पर छाई रंगत

भोपाल। वसंत आने के बाद पलाश के पेड़ों पर नई रंगत छाने लगी है।

भदभदा बस्ती में कच्चे मकानों व झोपड़ियों पर चलाया बुलडोजर

जो माफिया अतिक्रमणकारी भारी पड़े उन्हें छोड़ा, कमजोरों को तोड़ा!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल। केरवा व कलियासोत नदी का कैचमेंट हथियाकर कॉलोनियां काटने वाले माफिया के आगे प्रशासन नतमस्तक हो गया, क्योंकि नदियों को निगलने के बावजूद भारी पड़े। वहीं भदभदा बस्ती के किनारे झुग्गी बनाकर बसे भाले-भाले अतिक्रमणकारी दबाव नहीं बना सके इसलिए दो दिन के भीतर उनका आशियाना ही उजाड़ दिया।

केरवा-कलियासोत नदी का कैचमेंट अतिक्रमण से पटा लेकिन नहीं तोड़ पाया प्रशासन

अतिक्रमण के एक जैसे मामलों पर भेदभाव वाली बुलडोजर कार्रवाई हाल ही में प्रशासन ने की है जिस पर सवाल उठ रहे हैं। सरकार से लेकर शासन और उसे चलाने वाले मंत्री, अधिकारियों को लोग कोस रहे हैं। यही नहीं, कई तरह के कयास भी लगाए जा रहे हैं, जैसे दबाव रखने वालों के दम पर कलियासोत नदी के कैचमेंट में अतिक्रमणकारियों को छोड़ने और ऐसे ही दबाव रखने वालों के कारण भदभदा बस्ती को उजाड़ने जैसी बात कही जा रही है।

अतिक्रमण हटाने वाली भेदभाव पूर्ण कार्रवाई पर उठने लगे सवाल

भदभदा बस्ती तो कुछ नहीं, नदी के कैचमेंट में कई गुना अतिक्रमण

भूमि प्रबंधन मामलों के कुछ जानकारों का कहना है कि प्रशासन के जो अधिकारी भदभदा बस्ती का अतिक्रमण हटाकर बड़ी कार्रवाई पूरी का दंभ भर रहे हैं, उन्हीं की नाक के नीचे कलियासोत नदी एक से दूसरे छोर तक शहर के भीतर अतिक्रमण से पटी हुई है। कई स्थानों पर तो नदी का स्वरूप ही खत्म होने जैसा है या फिर वह नाले से भी बत्तर स्थिति में पहुंच गई है।

क्यों उठ रहे सवाल

- बड़े तालाब के भदभदा बैक वॉटर क्षेत्र में नेहरू नगर से लगी बस्ती पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाया है। यह बस्ती बैक वॉटर के किनारे दायरा बढ़ा रही है। स्वभाविक है ये अतिक्रमण जब हो रहे थे तब प्रशासन के अधिकारी चुपचाप देख रहे थे। कभी किसी ने किसी को नहीं रोका। जब यहां लोग बस गए और किसी तरह अपना गुजारा चला रहे थे तभी अचानक नजर पड़ी और बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया।
- वहीं बीते वर्ष सितंबर, अक्टूबर व नवंबर के महीने में कलियासोत नदी के कैचमेंट में अतिक्रमण का मामला जोर-शोर से उठा था। यहां तक की तत्कालीन मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को तो एक मामले में फटकार तक पड़ गई थी। उन्हें तलब किया गया था। भोपाल से लेकर दिल्ली तक अतिक्रमण का यह मामला सुर्खियों में था। कैचमेंट से अतिक्रमण हटाने को लेकर लंबी जद्दोजहद की गई। अंत में रहवासी अड़ गए। कहने लगे जिन माफिया ने उन्हें कॉलोनियां काटकर बेची, कैचमेंट को निजी जमीन बताया गया, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के अधिकारियों ने उनका साथ दिया, उन पर कार्रवाई करना छोड़ हमें उजाड़ा जा रहा है। यह बात सही भी थी, जब रहवासी विरोध में खड़े हो गए तो मामला ठंड बस्ते में चला गया क्योंकि बुलडोजर चलता तो उसके दायरे में वे कद्दावर भी आते, जिनकी सह पर कैचमेंट को निगला गया था।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज भोपाल प्रवास पर

दोपहर 3 बजे से बदला रहेगा शहर का ट्रैफिक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज 25 फरवरी को एक दिवसीय प्रवास पर भोपाल पहुंच रहे हैं। वह कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान दोपहर 3 बजे से कार्यक्रम समाप्त होने तक शहर की यातायात व्यवस्था आवश्यकतानुसार परिवर्तित रहेगी।

इस प्रकार होगा यात्री बसों का डायवर्सन

इंदौर, उज्जैन, राजगढ़-ब्यावरा की तरफ से आने वाली यात्री बसें हलालपुरा बस स्टैंड तक पहुंचेंगी। इसके आगे शहर के भीतर बसों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इसी प्रकार गांधी नगर से बेस्ट प्राइज होकर यात्री बसें नादरा बस स्टैंड तक जाएंगी। रोशनपुरा चौराहे से पॉलिटेक्निक चौराहा, कमला पार्क, रेतघाट, व्हीआईपीरोड, लालघाटी, गांधी नगर तिराहा एवं पॉलिटेक्निक चौराहा से गांधी पार्क तिराहा तक आवागमन परिवर्तित मार्ग से संचालित रहेगा।

इस प्रकार होगा वैकल्पिक मार्ग

भारत माता चौराहे से भदभदा चौराहा, साक्षी ढाबा, नीलबड़ तिराहा, नाथू बरखेड़ा रोड, मुंगालिया छाप, खजूरी सड़क, बायपास तिराहा से मुबारकपुर चौराहे की तरफ आवागन किया जा सकेगा। बैरागढ़ और राजाभोज विमानतल की तरफ आवागमन करने वाले वाहन चालक इसी मार्ग का उपयोग करेंगे। सीहोर, इंदौर की तरफ जाने वाले वाहन भी इस मार्ग से आवागमन करेंगे। भोपाल शहर से सीहोर, इंदौर, राजगढ़-ब्यावरा एवं राजाभोज एयरपोर्ट की तरफ जाने वाले वाहन प्रभात चौराहा से जेके रोड, रत्नागिरी, अयोध्या बायपास मार्ग, भानपुर, करोंद चौराहा, नई जेल से गांधी नगर होकर आवागमन करेंगे।

कार्यक्रम स्थल के आसपास बंद रहेगा ट्रैफिक

कार्यक्रम स्थल कुशाभाऊ कन्वेंशन सेंटर के आसपास वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। रोशनपुरा चौराहे से भारती टाकीज और रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाले दोपहिया एवं चार पहिया वाहन बाणगंगा, मछलीघर, खटलापुरा, पीएचक्यू तिराहे से भारत टाकीज की तरफ आवागमन कर सकेंगे। रोशनपुरा से रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाली बसें अपेक्स बैंक तिराहे से लिंक रोड नंबर एक, बोर्ड आफिस चौराहा, डीबी माल, प्रेस काम्पलेक्स सुभाष नगर आरओबी, प्रभात चौराहा से पुल बोगदा होकर आवागमन कर सकेंगी।

सीएमएस स्कूल में ग्रैंड पेरेन्टस डे का आयोजन किया गया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत नगर के क्राईस्ट मेमोरियल सी.से.स्कूल, बैरागढ़ में ग्रैंड पेरेन्ट्स डे का उत्सव बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया।

यहां पर संस्था के स्कूल के अध्यक्ष डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ के संबोधित करते हुए कहा कि -बच्चों के जीवन में दादा-दादी, नाना-नानी जरूर होने चाहिए उन्हीं से बच्चे संस्कारित बनते हैं व सीखते हैं और जीवन में सफल बनते हैं। यहां स्कूल की उपप्रचार्या सुश्री रीना मंडलोई के कहा कि ग्रैंड पेरेन्ट्स बच्चों के लिए आषीर्वाद स्वरूप हैं। बच्चों को हमेशा उनका सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम में 90 वर्ष की श्रीमती द्रोपदी पुरी भी उपस्थित थी। कार्यक्रम में स्कूल के नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुती दी गई। बच्चों के ग्रैंड पेरेन्ट्स के लिए कई गतिविधियाँ भी आयोजित की गई, जैसे म्युजिकल चेयर, सुई में धागा डालना, ग्लास बैलंसिंग आदि जिसमें सभी बच्चों के दादा-दा दी और नाना-नानी ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में अव्वल आऐ बच्चों को स्कूल प्रबंधन द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

लोक अदालत शिविर : सभी प्रकरणों में 13.66 करोड़ से अधिक की अवार्ड राशि की गई पारित

जिला एवं राजस्व न्यायालयों में निपटाए 2 लाख से ज्यादा मामले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

समाधान आपके द्वार योजना के तहत राजधानी के जिला न्यायालय भोपाल, राजस्व न्यायालयों, नगर निगम, विद्युत विभाग एवं पुलिस थानों में लोक अदालत शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान राजीनामा के आधार पर 2 लाख 2 हजार 642 मामलों का निराकरण किया गया। इन मामलों में 13 करोड़ 66 लाख 42 हजार 247 रूपए की वसूली, अवार्ड राशि भी पारित किए गए।

न्यायालयों के सिविल एवं आपराधिक प्रकरण तथा राजस्व न्यायालयों में लंबित तथा पूर्ववाद प्रकरणों का निराकरण सुलह समझौते के द्वारा किया गया। साथ ही विद्युत, राजस्व, नगरीय निकाय, वन विभाग के प्रकरणों सहित आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, गैस कनेक्शन, सी.एम. हेल्पलाईन, समग्र आई.डी. आदि के लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकृति के प्रकरणों का निराकरण किया गया।

नगर निगम से संबंधित 1 लाख 5 हजार 28 मामले

प्राप्त जानकारी के अनुसार, निराकृत प्रकरणों में न्यायालयों के लंबित एवं प्रीलिटिगेशन निराकृत प्रकरण 932, राजस्व विभाग संबंधित निराकृत कुल प्रकरण 19188, नगर निगम विभाग संबंधित निराकृत कुल प्रकरण 105028, विद्युत अधिनियम संबंधित निराकृत प्रकरण 22329, यातायात नियमों के उल्लघन संबंधी ई-टैफिक चालान 8818, पुलिस विभाग से संबधित निराकृत कुल प्रकरणों की संख्या 46347 है।

बड़ी लापरवाही, रात में बंद दिन में चालू स्ट्रीट लाइटें

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

एक तरफ जहां नगर निगम को उपनगर की स्ट्रीट लाइटों का लाखों का बकाया अभी भी विद्युत वितरण कंपनी को चुकाना है। वहीं हाल यह है कि आज भी कई क्षेत्रों की स्ट्रीट दिन में जलती रहती है।

उपनगर के पीएनबी बैंक रोड़ पर दिन के उजाले में स्ट्रीट लाइटे जलती रही,क्षेत्र के लोगों ने भी इस बात को गंभीरता से लेते हुए इसकि सूचना निगम के कार्यालय में दी,लेकिन ,लेकिन कोई रिस्पॉस नहीं मिला। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि आए दिन इन स्ट्रीट लाइटों का यहीं हाल है,कभी कभी तो रात केसमय पर भी नहीं जलती,जिससे अंधेरा हो जाता है और वाहन चालक गड् डों भरी सड़क पर चलकर दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते है और कभी कभी तो उजाले में ही यह जलती रहती है।

लाखों बकाया अभी भी

सूत्रों के मुताबिक आज भी इन स्ट्रीट लाइटों के जलने का शुल्क् नगर निगम को विद्युत वितरण कंपनी को देना है। उसके बाद भी उपनगर में दिन में जलकर सड़कों को रोशन करती है। हलांकि दिन में इनके जलने और न जलने से रोशन दिखाई नहीं देती।

क्या कहना है इनका

क्षेत्र के नागरिक जितेन्द्र का कहना है कि नगर निगम के अधिकारी पूरे तरीके से लापरवाह बना हुआ है। सड़को के सुधार कार्य नहीं होता और स्ट्रीट लाइटे रात के समय दिन में ही जलती रहती है। जनता की गाड़ी कमाई को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे है।

लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेशभर के जेडी-डीईओ को जारी किए आदेश

नियम नहीं मानने वाले स्कूलों पर सख्ती, मापदंड पूरे नहीं किए तो होगी कार्यवाही

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मान्यता नियमों का पालन नहीं करने वाले स्कूलों की अब खैर नहीं। स्कूल शिक्षा विभाग ऐसे स्कूलों को लेकर अब सख्त हो गया है और इन पर कार्यवाही की तैयारी है। मान्यता नवीनीकरण और मापदंड पूरे नहीं करने वाले स्कूलों पर कार्यवाही की जाएगी। इसको लेकर लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेशभर के संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी किए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त अनुभा श्रीवास्तव ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

तलब की प्रमाणीकरण रिपोर्ट

जारी आदेश में कहा गया है कि ऐसे शैक्षणिक संस्थाओं के विरूद्ध कार्यवाही की जाए, जिन्होंने वर्ष 2024-25 में मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं किया है। आयुक्त ने संभागीय और जिला अधिकारियों से अपने संबंधित क्षेत्र में इस संबंध में प्रमाणीकरण रिपोर्ट भी मांगी है। रिपोर्ट में यह बताने के लिये कहा गया है कि उनके क्षेत्र में वर्ष 2024-25 में कोई भी ऐसी संस्था नहीं जिसने मान्यता नवीनीकरण के लिये आवेदन नहीं दिया है।

शैक्षणिक संस्थाओं की सूची भी होगी तैयार

आयुक्त ने अपने पत्र में लिखा है कि ऐसी अशासकीय संस्थाए जिनकी मान्यता वर्ष 2021-22, वर्ष 2022-23 को समाप्त हो चुकी है और उनके द्वारा वर्ष 2023-24 की मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं किया गया है अथवा मान्यता आवेदन करने पर उनके द्वारा निर्धारित मापदण्डों की पूर्ति नहीं किये जाने के कारण नवीनीकृत नहीं हुई। ऐसी शैक्षणिक संस्थाओं की सूची भेजी जाने के निर्देश दिये गये हैं।

लगातार ऐसी संस्थाओं का होगा निरीक्षण

आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने ऐसी अशासकीय संस्थाओं के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही करते हुए तत्काल बंद करने के लिए कहा है। जिला शिक्षा अधिकारियों से अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं का सतत् निरीक्षण करने के लिए भी कहा गया है। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है कि अशासकीय शैक्षणिक संस्थाएं, जिन्हें जिन कक्षाओं तक शाला संचालन की मान्यता दी गई है, उस मापदंड के अनुसार अशासकीय शालाओं का संचालन हो।

एमपी बोर्डः कल दसवीं का सामाजिक विज्ञान का पेपर, इधर उठ रहे गोपनीयता पर सवाल

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं जारी हैं। सोमवार को दसवीं का सामाजिक विज्ञान का पेपर होगा। बोर्ड परीक्षा में इस बार नकल रोकने को लेकर सख्त इंतजाम किए गए हैं। इसके साथ ही मंडल ने क्यूआर कोड और बार कोड की व्यवस्था शुरू की है, लेकिन बीती 21 फरवरी को बारहवीं में हुए इतिहास के पेपर में अलग से नक्शा देकर उसपर रोल नंबर लिखवाने का मामला सामने आया है। जिससे किसी भी सेंटर पर आसानी से विद्यार्थियों की कापियों की पहचान की जा सकती है। इसके बाद मंडल की गोपनीयता भंग होने पर सवाल उठने लगे है।

यह है व्यवस्था

विद्यार्थियों को कापियों के पहले पेज पर ओएमआर शीट दी जाती है। इस ओएमआर शीट पर विद्यार्थी अपना रोल नंबर, तिथि आदि लिखते है। ओएमआर शीट पर बार कोड होता है। पेपर होने के बाद ओएमआर शीट को कापी से अलग कर दिया जाता है। कापियों की पहचान बार कोड से होती है। इससे कोई किसी भी मूल्यांकन केंद्र पर पता नहीं चल सकता कि किस छात्र या किस जिले के विद्यार्थियों की कापी है। यदि विद्यार्थी कापियों में रोल नंबर लिखता है, तो उसे नकल की श्रेणी में माना जाता है।

उज्जैन में कारोबारियों का जमावड़ा

इंवेस्टर्स समिट के दौरान 25 उद्योगों की होगी शुरूआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आगामी 1 और 2 मार्च को उज्जैन में क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलन (इन्वेस्टर्स समिट) में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव 25 से अधिक उद्योगों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। प्रतिभागी उद्यमियों को औद्योगिक विकास निगम की ओर से उपहार में विशेष किट प्रदान की जाएगी। इस किट में महाकाल मंदिर का लड्डू प्रसाद, मालवा की पहचान से जुड़ी कुछ सामग्री, निवेश के लिए चिह्नित जमीन और उज्जैन विकास योजना का लेखा-जोखा भी होगा। सभी को महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन भी कराएंगे।

जानकारी के मुताबिक क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलन, शासकीय उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान पर होना है। इसका वर्चुअली उद्घाटन मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव कालिदास संस्कृत अकादमी में रखे उद्घाटन समारोह में करेंगे। वे यहीं 40 दिवसीय विक्रमोत्सव और उज्जयिनी विक्रम व्यापार मेले का शुभारंभ भी करेंगे। इसी दिन जीवाजी वेधशाला परिसर में स्थापित की जा रही वैदिक घड़ी और वीर भारत संग्रहालय के रूप में परिवर्तित हो रहे कोठी महल का शिलान्यास भी करेंगे।

उद्योगपतियों से वन टू वन चर्चा

सम्मेलन के पहले दिन राज्य की निवेश की अपार संभावनाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। भूमि आवंटन पत्र वितरित किए जाएंगे। नई परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास होगा। ओडीओपी बिजनेस डायरेक्टरी का अनावरण किया जाएगा। दूसरे दिन 2 सेक्टोरल सत्र आयोजित किए जाएंगे। पहला सत्र धार्मिक पर्यटन पर केंद्रित होगा। फिल्म उद्योग के प्रतिनिधित्व पर बात होगी। फार्मा, चिकित्सा उपकरण के अवसर और चुनौतियों पर चर्चा होगी। बायर-सेलर मीट भी होगी। उद्योगपतियों के साथ निवेश संभावनाओं पर वन टू वन चर्चा होगी।

रिपोर्ट कार्ड में 10 पायदान तक लुढ़का भोपाल, 33 से खिसकर 43 वें स्थान पर पहुंचा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सभी सुविधाएं होने के बावजूद भोपाल जिला रिपोर्ट कार्ड में औंधे मुंह गिरा है। पिछले साल की अपेक्षा जिला 10 पायदान तक गिरकर 43 वें स्थान पर आया है। रिपोर्ट कार्ड पिछली शैक्षणिक रिपोर्ट में 33 का स्थान था। स्कूल शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के स्कूलों का रिपोर्ट कार्ड जारी कर दिया है। प्रदेश में पहला स्थान छतरपुर, दूसरा खंडवा व तीसरा डिंडोरी जिले का है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सीधी जिले की रैंकिंग पिछले वर्ष 46 वें नम्बर पर थी। इस वर्ष दिसंबर 2023 में सीधी की रैंकिंग बढ़कर 12वीं हो गई है।

'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम को सुना

भोपाल, दोपहर मेट्रो। वार्ड 33 भीम नगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' सलीम बस्ती की महिलाओं के साथ सुनी। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य आर के सिंह बघेल के साथ महापौर मालती राय उपस्थित रहे।

केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज व अन्य राज्यों के प्रतिनिधि जुटे

दो दिवसीय कार्यशाला: पंचायतों के विकास पर दिल्ली के अधिकारी भोपाल में कर रहे मंथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पंचायतों को विकास की गति कैसे दी जाए, ताकि वे आत्मनिर्भरता की दौड़ में आगे हो, इस बात पर दो दिन से भोपाल में दिल्ली व अन्य राज्यों से आए अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। यह मंथन ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना (जीपीएसडीपी) पर एक क्रॉस - लर्निंग -सह इंटरएक्टिव नामक दो दिवसीय कार्यशाला में हो रहा है, जो आज शाम को समाप्त हो जाएगी। इसमें पंचायतों को अपने संसाधनों से सशक्त बनाने, दूरगामी और टिकाऊ योजना बनाकर काम करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए पंचायतें समाधान कारक हों। केंद्रीय पंचायत राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने उक्त कार्यशाला में कहा कि पंचायतें रोडमैप के साथ संसाधनों का सदुपयोग करें तो तेजी से विकास होगा। ग्राम पंचायतें समृद्ध, स्वावलंबी और आत्मनिर्भर होनी चाहिए। यह तभी होगा जब स्थानिक योजना को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित करने और जमीनी स्तर पर सतत, समावेशी, सुनियोजित एवं समग्र विकास के दृष्टिकोण के साथ विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वित कार्यों और सहयोगात्मक प्रयास होंगे। पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने ग्राम पंचायतों, सभी एजेंसियों और हितधारकों से प्रधानमंत्री के आह्वान 'विकसित भारत' एवं 'यही समय है, सही समय है' के अनुपालन में जमीनी स्तर पर स्थानिक योजना को लागू करने और इसकी प्रगति की नियमित निगरानी करने की बात कही।

मध्यप्रदेश के दो सरपंचों ने साझा किए अनुभव

भोपाल के निकट स्थित सीहोर जिले की बिलकिसगंज ग्राम पंचायत की सरपंच प्रिया बाथम एवं विदिशा जिले की मुरवास पंचायत के सरपंच उमर खान तथा अन्य राज्यों के चयनित ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों द्वारा ग्राम पंचायत के विकास में उनके योगदान, कार्ययोजना एवं अनुभव साझा किए गए। आज शाम तक चलने वाले सत्रों में पंचायतों के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सत्रवार चर्चा की जा रही है।

मेट्रो एंकर | राजस्व विभाग ने जारी किए निर्देश

भू-अधिकार पुस्तिका अब कम्प्यूटरीकृत रूप में जारी होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

किसानों को भू-अधिकार पुस्तिका उपलब्ध कराने के लिए राजस्व विभाग द्वारा दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। जारी निर्देशों के तहत अब नवीन भू-अधिकार पुस्तिका कम्प्यूटरीकृत रूप में ही जारी होगी। पूर्व में जारी भू-अधिकार पुस्तिका यथावत् प्रचलन में रहेगी। परन्तु नवीन भू-अधिकार पुस्तिका कम्प्यूटरीकृत रूप में ही जारी होगी। भू-अधिकार पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के लिए 30 रूपये एवं अतिरिक्त प्रति पृष्ठ 15 रुपये शुल्क निर्धारित है। भू-अधिकार पुस्तिका न्यूनतम दो पृष्ठों की होगी, इस प्रकार दो पृष्ठों की भू-अधिकार पुस्तिका की कीमत 45 रुपये निर्धारित की गई है। अतिरिक पृष्ठ जोड़े जाने पर प्रतिपृष्ठ 15 रुपये देय होगा। भू-अधिकार पुस्तिका शुल्क अदा करने पर एमपीभूलेख पोर्टल पर ऑनलाइन, आईटी सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र एवं शासन द्वारा प्राधिकृत सेवा प्रदाता से प्राप्त की जा सकेगी। मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता नियम, 2020 के प्रावधान अनुसार भू-सर्वेक्षण उपरांत प्रथमवार भू-अधिकार पुस्तिका संबंधित भूमिस्वामी को निःशुल्क प्रदाय की जायेगी। निःशुल्क दी जाने वाली भू-अधिकार पुस्तिका जारी करने के लिए तहसीलदार को भूलेख पोर्टल पर लॉगिन कर अपने लॉगिन से भू-अधिकार पुस्तिका का प्रिंट जारी करने का अधिकार होगा। भू-अधिकार पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर संबंधित भूमिस्वामी की समग्र आईडी डाला जाना सुनिश्चित किया जायेगा। पुस्तिका पर भूमि स्वामी का फोटो मुद्रित होगा। यदि भूमि स्वामी का प्रकार निजी संस्था है, तो भू-अधिकार पुस्तिका पर समग्र आईडी एवं फोटो की आवश्यकता नहीं होगी। यदि संबंधित कृषक का फोटो भूलेख पोर्टल के डाटाबेस में उपलब्ध है तो उसे भू-अधिकार पर कृषक से सत्यापित कराया जाकर मुद्रित कराया जायेगा। यदि कृषक का फोटो भूलेख पोर्टल के डाटाबेस में उपलब्ध नहीं है अथवा भूलेख पोर्टल पर उपलब्ध फोटो से वह संतुष्ट नहीं है तो संबंधित कृषक के आधार द्द्म4ष के माध्यम से उसे प्राप्त किया जायेगा। इस प्रकार प्राप्त फोटो को संबंधित पटवारी से सत्यापित भी कराया जायेगा। यदि कृषक के पास आधार नंबर नहीं है अथवा वह आधार नंबर प्रदाय नहीं कर रहा है तो ऐसी स्थिति में कृषक का फोटो ऑनलाइन आवेदन करते समय लिया जाकर पटवारी से सत्यापित कराया जायेगा। पटवारी को फोटो सत्यापित करने के लिए 3 कार्य दिवस में सत्यापित करना अनिवार्य होगा। यदि इस अवधि में पटवारी द्वारा कृषक के फोटो को सत्यापित अथवा अमान्य नहीं किया जाता है, तो यह मानकर कि आधार द्द्म4ष से प्राप्त अथवा कृषक द्वारा प्रदाय फोटो सही है, भू-अधिकार पुस्तिका जारी की जायेगी।

मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थाओं के नवीनीकरण की जानकारी भेजने के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर निर्देश दिये है कि वे उन शैक्षणिक संस्थाओं के विरूद्ध कार्यवाही करें, जिन्होंने वर्ष 2024-25 में मान्यता नवीनीकरण के लिये आवेदन नहीं किया है। उन्होंने संभागीय और जिला अधिकारियों से अपने संबंधित क्षेत्र में इस संबंध में प्रमाणिकरण रिपोर्ट भी मांगी है। रिपोर्ट में यह बताने के लिये कहा गया है कि उनके क्षेत्र में वर्ष 2024-25 में कोई भी ऐसी संस्था नहीं जिसने मान्यता नवीनीकरण के लिये आवेदन नहीं दिया है। आयुक्त ने अपने पत्र में लिखा है कि ऐसी अशासकीय संस्थाए जिनकी मान्यता वर्ष 2021-22, वर्ष 2022-23 को समाप्त हो चुकी है और उनके द्वारा वर्ष 2023-24 की मान्यता नवीनीकरण के लिये आवेदन नहीं किया गया है अथवा मान्यता आवेदन करने पर उनके द्वारा निर्धारित मापदण्डों की पूर्ति नहीं किये जाने के कारण नवीनीकृत नहीं हुई। ऐसी शैक्षणिक संस्थाओं की सूची भेजी जाने के निर्देश दिये गये हैं। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने ऐसी अशासकीय संस्थाओं के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही करते हुए तत्काल बंद करने के लिये कहा है। जिला शिक्षा अधिकारियों से अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं का सतत् निरीक्षण करने के लिये भी कहा गया है। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है कि अशासकीय शैक्षणिक संस्थाएं, जिन्हें जिन कक्षाओं तक शाला संचालन की मान्यता दी गई है, उस मापदंड के अनुसार अशासकीय शालाओं का संचालन हो।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 25 फरवरी 2024 epaper.dopaharmetro.com

कोविड ने बदल दी दुनिया, छोटे शहरों का रुख करती जिंदगी

■ अद्वैता काला

कोविड ने दुनिया को बदलकर रख दिया। यह हम सभी जानते हैं कि इससे मानव जीवन की विनाशकारी क्षति हुई, लेकिन इसने एक मौन आंदोलन को भी जन्म दिया, जिस पर ध्यान नहीं दिया गया। लोग बड़े शहरों से छोटे शहरों में स्थानांतरित होने लगे और उन्होंने शांत व धीमी गति वाले जीवन को चुना। मैंने खुद ऐसा किया है, मिलेनियम सिटी गुरुग्राम से मैं एक छोटे घाटी शहर देहरादून में स्थानांतरित हो गई हूं।हालांकि मैं इन दोनों शहरों में आती-जाती रहती हूं, लेकिन अब मैं अपना ज्यादातर समय देहरादून में ही बिताती हूं, जो एक छोटा अनोखा शहर है और शैक्षणिक संस्थानों, सेना और सेवानिवृत्त लोगों का प्रमुख केंद्र भी है। यहां जिंदगी की रफ्तार थोड़ी धीमी है, लेकिन हवा अपेक्षया साफ है। कोविड के दौरान, विशेष रूप से डेल्टा वायरस की लहर के समय, जब अस्पतालों में बिस्तर और ऑक्सीजन की कमी हो गई थी, लोगों ने यह सोचना शुरू कर दिया था कि बड़े शहरों में रहने के नुकसान ज्यादा हैं।

सामान्य दिनों में लंबा ट्रैफिक जाम, वायु गुणवत्ता की बदतर स्थिति, चरम मौसमी स्थितियां और व्यस्त व आक्रामक सामाजिक माहौल ऐसी चीजें हैं, जो लोगों को बड़े शहरों से दूर कर रही हैं। कोविड काल के बाद प्रचलित मिश्रित कार्य-संस्कृति का मतलब यह भी है कि जो लोग खर्च उठाने में सक्षम हैं, वे तेजी से स्थानांतरित हो रहे हैं। चाहे राजमार्गों का विकास हो या उड़ान योजना, पिछले दस वर्षों में बढ़ी कनेक्टिविटी ने भारत को आपस में अधिक जोड़ा है। इसके साथ ही इंटरनेट ने भी दूरियां कम की हैं। और यह सब इतनी तेजी से बदला है कि हैरानी होती है।

एक दशक पहले जब मैं टीवी बहस में शामिल होती थी, तो कैमरामैन, लाइटमैन और साउंडमैन के साथ एक बड़ी ओबी वैन आती थी। वे लोग मेरे घर में लाइट और कैमरा लगाते थे, मुझे लाइव टीवी स्टूडियो से जोड़ते थे। आज मैं चाहे दुनिया में कहीं भी रहूं, जूम के माध्यम से टीवी बहस में शामिल हो सकती हूं। यह एक ऐसा बदलाव है, जो मैंने अपनी आंखों से देखा है। अस्तित्व के संकट और परिस्थितिवश मजबूरी में लोग बड़े शहरों में रहने के लिए बाध्य होते थे, लेकिन अब कई लोग ऐसी बाध्यता महसूस नहीं करते हैं।

देहरादून में मेरे अपार्टमेंट में एक नई बात यह है कि यहां बहुत से वरिष्ठ नागरिक हैं, लेकिन तीस से चालीस की उम्र के लोगों की संख्या भी कम नहीं है, जो बड़े से छोटे शहरों में शहरी परिप्रेक्ष्य लेकर आए हैं और साथ ही संतोष की हवा भी। भारत में हुए तीव्र विकास से उन लोगों के लिए छोटे शहरों में रहना आसान हो गया है, जो बड़े शहरों में रहने के आदी हैं। साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं में भी काफी सुधार हुआ है। जीवन-शैली में बदलाव अब उतना कठोर नहीं रह गया है, जितना पहले माना जाता था। असल में जीवन-यापन की लागत सस्ती हो गई है और पैसे के लिहाज से अचल संपत्ति का मूल्य बढ़ गया है। शिक्षा के प्रचुर अवसर हैं और सार्वजनिक परिवहन सुविधाजनक है।

मेरे बचपन में दिल्ली से देहरादून पहुंचने में रुकते हुए सात से नौ घंटे लगते थे, लेकिन अब मुश्किल से चार घंटे लगते हैं तथा इसमें और कमी होने वाली है। गुरुग्राम से जयपुर मात्र तीन घंटे दूर है और बीस साल पहले गाड़ी से इतनी दूरी तय करने में पांच घंटे लगते थे। छोटे शहर सामाजिक रूप से घुलने-मिलने के भी काफी अवसर प्रदान करते हैं, लोगों के पास काफी समय होता है और वे एक-दूसरे का साथ ढूंढते हैं।बड़े शहरों, जहां मानव अस्तित्व एक निश्चित संकीर्णता में घिर गया है, के विपरीत देश के छोटे शहरों और कस्बों में समुदाय की अवधारणा अब भी काफी जीवित है। जब यह सदी शुरू हुई होगी, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि भारत के लोग छोटे शहरों में जाना चाहेंगे, लेकिन आज हम छोटे शहरों की तरफ रुख कर रहे हैं। जीवन की गुणवत्ता, यात्रा में आसानी और ई-कॉमर्स-इन सबने इस बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया है। अब चुनौती यह है कि छोटे शहरों की गुणवत्ता बनाकर रखी जाए और इन्हें शहरी फैलाव न बनने दिया जाए। विवेकपूर्ण शासन से ऐसा संभव है। इसके अलावा यह प्रवासन भारतीयों की प्राथमिकता और मूल्यों में ठोस बदलाव को भी दर्शाता है, जो इस पारंपरिक आख्यान को चुनौती देता है कि सफलता महानगरीय जीवन का पर्याय है। भारत के लोगों में आत्मबोध और सांस्कृतिक जागरूकता का विकास तेजी से हो रहा है। पश्चिमी जीवन-शैली का अंधानुकरण थम गया है और लोगों ने उस जीवन-शैली की विफलता को पहचान लिया है। समुदाय और परिवार पर ध्यान केंद्रित करने वाली भारतीय जीवन-शैली ऐसी समृद्धि लाती है, जिसकी गणना नहीं की जा सकती।

मानसिक स्वास्थ्य की मूक महामारी से बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए आधुनिक समय में यह बेहद महत्वपूर्ण हो गया है कि हम अपने मूल्यों के साथ तालमेल बिठाएं और उसे समृद्ध करें। और यह पूरी तरह संभव है। लंबी जीवन-प्रत्याशा वाले भौगोलिक क्षेत्रों यानी ब्लू जोन्स का अध्ययन दर्शाता है कि इसका एक प्रमुख कारण सामुदायिक जीवन जीना और दूसरे मनुष्यों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहने से लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिलती है- फोन या इंटरनेट पर नहीं। जैसे-जैसे ज्यादा भारतीय सफलता को फिर से परिभाषित करेंगे और चूहा-दौड़ से अधिक कल्याण को प्राथमिकता देंगे, बड़े शहरों से छोटे शहरों में जाने का चलन बढ़ेगा, देश के जनसांख्यिकी स्वरूप में बदलाव होना जारी रहेगा। यह जीवन के प्रति अधिक संतुलित और समग्र दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, जो इस पारंपरिक ज्ञान को चुनौती देता है कि शहरीकरण ही समृद्धि का अंतिम रास्ता है।

छोटे शहरों की शांति को अपनाकर अब लोग कामयाबी की नई परिभाषा तलाश रहे हैं, जो अराजक शहरी जीवन-शैली के ऊपर खुशी, स्वास्थ्य और सामुदायिक भावना को तवज्जो देती है। गांधी जी ने जिस भारत को गांवों में बताया था, वह नए समय में छोटे-छोटे शहरों में भी दिखाई देता है।

कारगर रणनीति से तनाव मुक्त परीक्षा

■ सारिका धूप

परीक्षाएं शैक्षणिक यात्रा का अभिन्न अंग हैं, जो विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों की समझ और प्रवीणता का आकलन करने के लिए बेंचमार्क के रूप में कार्य करती हैं। इम्तिहान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए ये विद्यार्थी के समग्र शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक हैं। वहीं बच्चे के व्यक्तित्व में आत्म-विश्वास विकसित करने में मदद करते हैं। परीक्षा के समय ज्यादातर छात्र-छात्राएं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। जब छात्रों को अच्छे अंक प्राप्त होते हैं, तो इससे उनका आत्म-विश्वास बढ़ता है जो और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। परीक्षाएं अनुशासन भी पैदा करती हैं और छात्रों को असल दुनिया में प्रवेश के लिए तैयार करती हैं। इससे समय प्रबंधन और शिक्षा में सुधार होता है, जो जीवन में महत्वपूर्ण हैं।

प्रमुख वजह असफलता की घबराहट: परीक्षा तनाव प्राथमिक विद्यालय से विश्वविद्यालय तक सभी उम्र के विद्यार्थियों द्वारा अनुभव की जाने वाली एक सामान्य बात है। इम्तिहान में तनाव का एक प्रमुख कारण असफलता का भय है। हालांकि वे अकादमिक प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, परीक्षा से जुड़े दबाव अक्सर छात्रों के बीच तनाव के स्तर को बढ़ाते हैं। छात्र अपने लक्ष्यों, माता-पिता की अपेक्षाओं या सामाजिक मानकों को पूरा करने के बारे में चिंतित हो सकते है। सफल होने का दबाव चिंता पैदा करता है, और अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को प्रभावित करता है। विलंब या समय कुप्रबंधन के कारण अपर्याप्त तैयारी बढ़े हुए तनाव के स्तर में योगदान करती है। ऐसे में परीक्षा की तारीख के करीब आने पर चिंता तेज हो सकती है। अवास्तविक अपेक्षाएं, चाहे वे आत्म-निर्धारित हों या बाह्य, तनाव में वृद्धि कर सकती हैं। उत्कृष्टता और शीर्ष श्रेणियों को प्राप्त करने की इच्छा कभी-कभी एक बोझ बन जाती है, जिससे भावनात्मक तनाव पैदा हो सकता है और मानसिक स्वास्थ्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। साथियों के साथ खुद की तुलना और प्रतिस्पर्धा की भावना अपर्याप्तता और तनाव को और बढ़ाती है।दीर्घकालिक तनाव शारीरिक लक्षणों में तेजी से प्रकट होता है, जैसे कि सिरदर्द, थकान, और नींद की समस्याएं। क्रोनिक तनाव प्रतिरक्षा प्रणाली को भी कमजोर कर सकता है, जिससे व्यक्तियों को बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। परीक्षा का तनाव मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है, जिससे चिंता और अवसाद का स्तर बढ़ सकता है। भावनात्मक संकट छात्र की ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को प्रभावित करता है, जिससे खराब शैक्षणिक प्रदर्शन हो सकता है। उच्च स्तर का तनाव संज्ञानात्मक कार्य को खराब कर देता है, जिससे परीक्षा के दौरान स्पष्ट सोचना और याद रखना कठिन हो जाता है। इसका प्रदर्शन पर असर हो सकता है और आत्मविश्वास की कमी हो सकती है।

अध्ययन कार्यक्रम की योजना बनाना और व्यवस्थित करना तनाव को कम करने में मदद करता है। अध्ययन सत्रों को संविभाजित करना और पूर्व नियोजित समय सारिणी के अनुसार अध्ययन करना अंतिम मिनट के रटने को रोक सकता है और जानकारी को बेहतर याद रखने को बढ़ावा देता है।पर्याप्त नींद, नियमित व्यायाम, और संतुलित आहार समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। ये, तनाव को कम करते हैं, और शैक्षणिक दबावों से निपटने की क्षमता बढ़ाते हैं। प्राणायाम, ध्यान व कुछ योगासन छात्रों को तनाव का प्रबंधन करने और परीक्षा के दौरान शांत रहने में मदद करता है। माता-पिता, शिक्षकों या परामर्शदाताओं के साथ चिंताओं को साझा करना और मार्गदर्शन प्राप्त करना परीक्षा तनाव से जुड़े भावनात्मक बोझ को कम करने में मदद करता है।

सही समझ और रणनीति

परीक्षा तनाव, छात्रों को पेश आने वाली एक आम चुनौती है, लेकिन उचित समझ और सक्रिय रणनीतियों के साथ, इसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। शिक्षा के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना जरूरी है जो अकादमिक उपलब्धि के साथ-साथ कल्याण को भी प्राथमिकता देता हो। यह सकारात्मक और सीखने के अनुकूल माहौल बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रतिरोध क्षमता को बढ़ावा देने और तनाव-प्रबंधन कौशल सिखाने से, शिक्षक और माता-पिता छात्रों को आत्मविश्वास और संयम के साथ परीक्षा की चुनौतियों को पार करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

स्मृति शेष
अमीन सायानी

एक दिलकश आवाज़ का यूं ख़ामोश होना

■ ज़ाहिद ख़ान

आख़िरकार, वह आवाज़ ख़ामोश हो गई, जो लाखों लोगों के दिलों पर राज करती थी। जिस आवाज़ से जुड़कर, मुल्क का आम आदमी भी एक अपनापन महसूस करता था। कुछ वक़्त के लिए ही सही, वह अपना ग़म-ओ-रंज भूल जाता था। अब ये आवाज़ उन्हें कभी सुनाई नहीं देगी। आज़ादी के बाद जिन लोगों ने रेडियो को आम आदमी तक पहुंचाया, उसकी लोकप्रियता बढ़ाई, उनमें अव्वल नंबर पर अमीन सायानी का नाम था। जो अब दुनिया को सदा के लिए अलविदा कह गये। वह कुछ सालों से सेहत की परेशानियों से गुज़र रहे थे। एक दौर था, जब अमीन सायानी रेडियो की आवाज़ थे। उसकी पहचान थे। यूं कहें कि रेडियो की आवाज़ के मायने अमीन सायानी थे। हफ्ते में एक बार बुधवार के दिन पूरी फैमिली साथ बैठती। रेडियो पर जैसे ही उनका सुपर हिट प्रोग्राम 'बिनाका गीतमाला' शुरू होता, तो वक़्त जैसे थम जाता। ऐसी मक़बूलियत बहुत कम रेडियो प्रोग्राम और एनाउंसर को हासिल हुई है। अमीन सायानी के बड़े भाई हामिद सायानी रेडियो सीलोन में प्रोड्यूसर थे। उन्होंने ही अमीन सायानी का रिश्ता रेडियो से जोड़ा। हामिद सायानी के मशविरे पर अमीन सायानी ने ऑल इंडिया रेडियो में हिंदी ब्रॉडकास्टर के लिए आवेदन किया। अब इस बात पर शायद ही कोई यक़ीन करे कि उनकी आवाज़ रेडियो के लिए रिजेक्ट कर दी गई थी। इस घटना के बाद अमीन सायानी थोड़ा निराश हो गए। अपने गाइड और उस्ताद हामिद सायानी के पास पहुंचे, तो उन्होंने अमीन से रिकॉर्डिंग के दौरान रेडियो स्टेशन के हिंदी कार्यक्रम सुनने को कहा। अमीन सायानी ने ब्रॉडकास्टिंग का फ़न सीखने और उसे फॉलो करने में जी-जान लगा दिया।

बीसवीं सदी के पांचवें दशक में रेडियो सीलोन पर हामिद सायानी की पेशकश में अंग्रेज़ी गीतों का एक प्रोग्राम बहुत बढ़िया प्रदर्शन कर रहा था। इस कामयाबी से मुतास्सिर होकर एड कंपनी ऐसा ही एक प्रोग्राम हिंदी फ़िल्मी गीतों का भी करना चाहती थी। अपनी यह चाहत उन्होंने हामिद सायानी को बयान की। हामिद सायानी ने यह प्रोग्राम ख़ुद न करते हुए अमीन सायानी को इसके लिए राज़ी कर लिया। इस तरह रेडियो पर एक शानदार प्रोग्राम के सफ़र का आग़ाज़ हुआ जिसका नाम 'बिनाका गीतमाला' था। आज से सात दहाई पहले यानी 3 दिसंबर, 1952 को सात गानों की सीरीज़ का पहला प्रोग्राम रिले किया गया जिसे ख़ूब पसंद किया गया। पहले ही प्रोग्राम से इसे जो कामयाबी मिली, फिर अमीन सायानी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे रातों-रात आवाज़ की दुनिया में स्टार बन गए। रेडियो सीलोन में पहले प्रोग्राम के बाद, 'बिनाका गीतमाला' की तारीफ़ में श्रोताओं के तक़रीबन नौ हज़ार ख़त पहुंचे। यह सिलसिला आगे भी क़ायम रहा। एक दौर ऐसा भी आया, जब हर हफ्ते ख़त की तादाद पचास हज़ार तक पहुंच गई। रेडियो और आवाज़ की दुनिया में पहले किसी प्रोग्राम को इतनी बड़ी कामयाबी नहीं मिली थी।

रेडियो सीलोन और फिर उसके बाद आकाशवाणी के विविध भारती पर प्रसारित 'बिनाका गीतमाला' की चालीस बरस से भी ज्यादा समय तक, देश में ही नहीं दुनिया के कई देशों में धूम रही। दुनिया में कोई दूसरा रेडियो या टीवी प्रोग्राम इतने लंबे वक़्त और एक साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफ़गानिस्तान, श्रीलंका और खाड़ी के मुल्कों में मक़बूल नहीं रहा। इस प्रोग्राम के चाहने वाले दक्षिण एशिया, मध्यपूर्व, पूर्वी एशिया और यूरोप के कुछ मुल्कों में भी थे। आज भी रिसर्च का विषय है कि इस कामयाबी के पीछे हिंदी फ़िल्मी नग़मों का जादू था या अमीन सायानी की चहकती आवाज़, या फिर प्रोग्राम को पेश करने का उनका दिलकश अंदाज़। 'बिनाका गीतमाला' के अलावा अमीन सायानी ने रेडियो पर जो भी प्रोग्राम पेश किए, सभी कामयाब रहे। अमीन सायानी का नाम ही इन प्रोग्राम की कामयाबी की जमानत होता था। 'एस कुमार्स का फ़िल्मी मुक़दमा', 'फ़िल्मी मुलाकात', 'सैरिडॉन के साथी', 'मराठा दरबार', 'संगीत के सितारों की महफ़िल' वगैरह ऐसे कई प्रोग्राम हैं, जो अमीन सायानी की दिलकश आवाज़ और दिलचस्प पेशकश से श्रोताओं के ज़ेहन में आज भी ज़िंदा हैं। अमीन सायानी ने अपने रेडियो कैरियर के दौरान फ़िल्मी दुनिया के टॉप कलाकारों, गायकों, संगीतकारों और गीतकारों के इंटरव्यू लिए। पचास हज़ार से ज्यादा रेडियो प्रोग्रामों के लिए काम किया और पन्द्रह हज़ार से भी अधिक विज्ञापनों में अपनी आवाज़ दी जो एक रिकॉर्ड है। अमीन सायानी की मक़बूलियत का सबब उनकी गोल्डन वॉयस और ज़बान पर मज़बूत पकड़ थी। हिन्दी-उर्दू से इतर उनकी ज़बान ख़ालिस हिन्दुस्तानी थी। वे जब बोलते, तो खास ख़याल रखते कि उनकी बातें आम आदमी को भी समझ में आएं।

आवाज़ की दुनिया में बेमिसाल योगदान के लिए अमीन सायानी को कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया। बरसों पहले रिकॉर्ड किए गए उनके कई लाजवाब प्रोग्राम आज भी लोग यूट्यूब और 'सारेगामा कारवां' जैसे माध्यमों से सुनते हैं। उनकी आवाज़ से जुड़ना, एक गुज़रे हुए दौर में वापस जाना था। बहरहाल, अमीन सायानी ने पिछले साल ही अपनी बेहतरीन ज़िंदगी के इक्यानवें साल मुकम्मल किए थे। आख़िरी समय तक उनकी आवाज़ में वही दम-ख़म था, लेकिन आहिस्ता-आहिस्ता सेहत उनका साथ छोड़ती जा रही थी। बावजूद इसके वे ज़िंदगी से निराश नहीं थे, भरपूर जीवन जिया। अमीन सायानी के दिल में सिर्फ़ एक हसरत बाक़ी थी, वे अपनी आत्मकथा कम्प्लीट करना चाहते थे। ज़ाहिर है कि इसका इंतज़ार दुनिया भर में उनके लाखों चाहने वालों को भी था। अफ़सोस! इस आत्मकथा के प्रकाशन से पहले, अमीन सायानी इस दुनिया से रुख़सत हो गए। (साभार)

बच्चों की बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान का पता लगाने के लिए सर्वे

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

विकासखंड की चयनित 22 शासकीय शालाओं में एफएलएन टीम द्वारा सर्वे किया गया। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा विकासखंड में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान का पता लगाने के लिए एफएलएन चयनित 22 शासकीय प्राथमिक शालाओं का एफएलएन सर्वे हुआ। जिसमें जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी में अध्यनरत डीएड प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षणार्थी डाइट से चयनित अभ्यर्थियों ने शालाओं में फील्ड इन्वेस्टिगेटर (एफआई) के रूप में चयनित होकर सर्वे हेतु पहुंचे,पथ प्रदर्शक के रूप में एक एक डीआरजी एवं सीएसी भी थे। सभी 73 एफआई द्वारा उन्हें आवंटित शालाओं में कक्षा 2,3 के बच्चों का बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान का परीक्षण जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम शत्रुंजय प्रताप सिंह,डाइट प्राचार्य पचमढ़ी प्रकाशचन्द्र कुंभारे एवं विकासखंड सिवनीमालवा एफएलएन प्रभारी नितिन दुबे के मार्गदर्शन में किया गया। संतोष कुमार शर्मा बीआरसीसी ने बताया कि सर्वे में विकासखंड की 22 शालाओ के कक्षा दूसरी के 133 विद्यार्थी तथा कक्षा तीसरी के 184 विद्यार्थी को सर्वे किया गया जिसमें से कक्षा दूसरी के 123 तथा कक्षा तीसरी के 180 विद्यार्थी सर्वे में सम्मिलित हुए। सर्वेक्षण का निरीक्षण हेतु डाइट प्राचार्य पचमढ़ी से प्रकाशचन्द्र कुंभारे, संजय भट्ट संतोष कुमार शर्मा,जन शिक्षक श्याम सुंदर रघुवंशी जिला शिक्षा केन्द्र नर्मदापुरम से एपीसी डीपी यादव एपीसी संजीव द्विवेदी एफएलएन प्रभारी नितिन दुबे द्वारा शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला तिनस्या,शासकीय कन्या हाई स्कूल बानापुरा,शासकीय प्राथमिक शाला लोखरतलाई,शासकीय प्राथमिक शाला झिरनापुरा लही,शासकीय प्राथमिक शाला मोरघाट,शासकीय प्राथमिक शाला रमपुरा शासकीय कन्या उमावि सिवनीमालवा,शासकीय प्राथमिक शाला रीछी,शासकीय प्राथमिक शाला गोलगांव शासकीय प्राथमिक शाला एस बी एस शिवपुर एवं अन्य दूरस्थ शासकीय शालाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया गया एवं अन्य सभी चिन्हित शालाओं का निरीक्षण समस्त सीएसी एवं डीआरजी के द्वारा भी निरीक्षण किया गया । एफआई ने अपनी रिपोर्ट डाइट प्राचार्य को दी गई।

नर्मदापुरम् में विकसित भारत संकल्प यात्रा का द्वितीय चरण..

शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी और लाभ प्रदान किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्र नर्मदापुरम में 24 फरवरी को प्रातः श्रीमति सीमा सिंह जादौन जिला संगठन प्रभारी भाजपा के मुख्य आतिथ्य में ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ द्वितीय चरण हेतु वेन का वार्ड क्रमांक 09, फूलवती जायसवाल स्कूल के पास कोठी बाजार में आगमन हुआ, जिसमें यात्रा में पधारे मुख्य अतिथि, एवं गणमान्य अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों का स्वागत सत्कार हुआ ।

मुख्य अतिथि श्रीमति सीमा सिंह जादौन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित एवं कन्या पूजन कर विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं गतिविधियों से अवगत कराया गया तथा माननीय प्रधानमंत्री का संदेश वाचन एवं संकल्प वीडियो विकसित भारत की एवं फिल्म का प्रदर्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ एवं बालक-बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुती दी गई, मेरी कहानी मेरी जुबानी अंतर्गत स्व. सहायता समूह, पी.एम. स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों द्वारा प्राप्त योजनाओं के संबंध में अनुभव साझा करने हेतु मंच पर भाषण हुए तथा श्रीमति नीतू यादव अध्यक्ष नगर पालिका एवं रोहित गौर मण्डल अध्यक्ष भाजपा द्वारा सम्मान समारोह एवं क्वीज प्रतियोगिता एवं समस्त योजनाओं के हितग्राहीयों को मुख्य अतिथि द्वारा लाभ वितरण किए जाने एवं कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति तथा वक्तव्य हेतु आभार व्यक्त करते हुए अंतिम दिवस विकसित भारत संकल्प यात्रा का समापन हुआ ।

उक्त कार्यक्रम के दौरान वार्ड क्र 8,9,10,11एवं के हितग्राहियों सहित कुल 1253 व्यक्ति उपस्थित रहे जिनमें से कुल 644 लोगों को लाभान्वित किया गया एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया।

उपरोक्त कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि श्रीमति सीमा सिंह जादौन, सं सहित नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति नीतू यादव, विधायक प्रतिनिधि महेन्द्र यादव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नवनीत पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष भाजपा रोहित गौर,

सहित अन्य गणमान्य नागरिक, वार्ड से संबंधित हितग्राहीगण, नगर पालिका के श्रीमति प्रतिमा बेलिया उपयंत्री, श्रीमति दिव्या मिश्रा, सिटी मिशन मैनेजर, सुनील राठौर सतीश यादव, दीपक गौर, जावेद वेग, राममोहन अग्रवाल, भूपेन्द्र कदम, अतुल मण्डलोई सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

5 लाख की नाली निर्माण में हो रहा था भ्रष्टाचार, ग्रामीणों ने की शिकायत

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतो में जो निर्माण कार्य मे हो रहा भ्रष्टाचार को लेकर अब ग्रामीण सतर्क और सावधान होते नजर आ रहे हैं, और सावधान हो भी क्यों ना यह उनका अधिकार है तभी तो भ्रष्टाचार कम होगा क्योंकि अभी तक जितने भी कार्य हुए उनमें भारी भ्रष्टाचार की बानगी सामने आ रही है। भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े निर्माण कार्य के कुछ साल बाद ही नाली निर्माण हो भवन निर्माण हो चाहे सड़क निर्माण हो उखड़ने लग जाती है। जिससे ग्रामीण अपने आप को ठगा सा महसूस करते हैं लगातार ग्राम पंचायत में निर्माण कार्य की भ्रष्टाचारियों के मामले आए दिन उजागर हो रहे हैं ऐसा ही एक मामला सिवनी मालवा से 2 किलोमीटर दूर ग्राम बाराखड कला पंचायत में सामने आया बराखड़ ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले दो पीपल बाबा कॉलोनी में इन दीनो लगभग चार लाख से लेकर 6 लाख रुपए के बीच में बनने वाली 350 मीटर की लंबाई वाली नाली निर्माण कीया जा रहा है। जिसमें घटिया स्तर पर निर्माण कार्य की शिकायत ग्रामीणों ने जनपद सीईओ से की है । शिकायत के बाद पहुंचे सब इंजीनियर ने देखा कि नाली निर्माण में एक फिट के दौरान पांच रॉड लोहा लगना था जहां पर मात्र तीन-तीन राड लगी हुई है इस निर्माण कार्य को गुणवत्ताहीन देखते हुए इंजीनियर और अधिकारियों ने इस निर्माण कार्य को फिलहाल रोक दिया है।साथ ही गुणवत्ता पुण नाली का निर्माण करने के भी आदेश दिए हैं। अब देखना यह है कि ठेकेदार और सरपंच की मिली भगत से क्या दो पीपल बाबा कॉलोनी की नाली निर्माण भ्रष्टाचारी की भेंट चढ़ता है या अधिकारी इस बात पर संज्ञान लेंगे।

अभियोजन अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले के अभियोजन अधिकारियों की समीक्षा बैठक जिला दंडाधिकारी नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना की उपस्थिति में आयोजित की गई। कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा जघन्य सनसनीखेज गंभीर अपराधों, एन. डी. पी. एस. एक्ट, एस.सी./एस.टी. एक्ट, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम् पॉक्सो एक्ट एवं मजिस्ट्रेट के न्यायालयों में लंबित भा.द.वि. व अन्य आपराधिक प्रकरणों के संबंध में एवं दोषमुक्त प्रकरण व अपील की विस्तार से समीक्षा की। न्यायालय में लंबित प्रकरणों के संबंध में जानकारी ली तथा जिले में कार्यरत न्यायालयों की संख्या एवं जिले में कार्यरत न्यायालयों में कार्य करने वाले अभियोजन अधिकारियों के संबंध में जानकारी ली साथ ही जिला बदर के प्रकरणों की भी विस्तार पूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में जिला अभियोजन अधिकारी राजकुमार नेमा एवं अन्य अभियोजन अधिकारी उपस्थित रहे।

निजी स्कूलों में आरटीई छात्रों के सत्यापन को लेकर हुई कार्यशाला

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार अशासकीय शालाओं में आरटीई छात्रों के सत्यापन पर विकासखंड के सभी सीएसी,नोडल अधिकारियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम जनपद शिक्षा केंद्र सिवनी मालवा में आयोजित किया गया। जिसमें जन शिक्षक नोडल एवं सह नोडल अधिकारियो को बीआरसी संतोष कुमार शर्मा द्वारा विस्तृत कार्य योजना के रूप में आरटीई सत्यापन विषय पर जानकारी ली गई। साथ ही अन्य आवश्यक सावधानी हेतु नोडल अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। जन शिक्षक विजय सिंह राजपूत द्वारा राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के द्वारा जारी किए गए पत्र का वाचन कर महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश अनुरूप नोडल अधिकारियों को कार्य करने हेतु आवश्यक सुझाव दिए एवं नोडल अधिकारियों के विभिन्न प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान किया गया। बीआरसी द्वारा बताया गया कि आरटीई सत्यापन का कार्य 23 फरवरी से 5 मार्च तक सभी जन शिक्षा केंद्रो पर किया जावेगा। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को उक्त अवधि में जन शिक्षा केंद्र पर प्रातः 10ः30 से सायं 5ः00 बजे तक उपस्थित रहकर छात्रों के ऑनलाइन आवेदन का ऑफलाइन सत्यापन का कार्य करने का आवश्यक निर्देश दिए आरटीई से सम्बंधित कोई भी समस्या होने पर आरटीई प्रभारी रोहित रघुवंशी मोबाइल नंबर 9926740880 एवं ऑपरेटर मोनू 9009390138 से कार्यालयीन समय में कॉल करके सम्पर्क कर सकते हैं ।

मेट्रो एंकर अधिकार अभिलेख बनाने की कार्यवाही प्राथमिकता पर की जाएगी

ग्रामीण क्षेत्र का दौरा कर कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर नर्मदा पुरम सुश्री सोनिया मीना द्वारा तहसील सोहागपुर एवं माखन नगर अंतर्गत विभिन्न विस्थापित ग्राम जैसे नया चूरना,नया धाई, माना गांव आदि का सघन दौरा किया गया एवं ग्रामवासियों से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और अधिकारियों को उक्त संबंध में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए।

विस्थापित ग्राम नया चूरना में ग्राम वासियों द्वारा प्राथमिक शाला में शिक्षको के संबंध में शिकायत की गई जिसके लिए कलेक्टर द्वारा ज़िला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया है की उक्त प्रकरण में कार्यवाही सुनिश्चित की करें। आदिवासी छात्रावास को भी केसला से चूरना स्थापित करने की मांग ग्रामवासियों द्वारा की गई जिसपर कलेक्टर द्वारा ए.सी.टी.डबल्यू को परीक्षण कर प्रकरण के संबंध में अवगत कराने के निर्देश दिए। सिंचाई व्यवस्था को लेकर उत्पन्न समस्याओ के निराकरण के संबंध में भी सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया है कि उक्त संबध में कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। विस्थापित ग्राम सुपलाई में शासकीय स्कूल के डाइस कोड नही बनने से समस्याएं आ रही थी जिसके संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को नियमानुसार डाइस कोड बनाए जाने के लिए निर्देशित किया गया । इसी के साथ कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा विस्थापित ग्राम नया माना में आंगनवाड़ी केंद्र की मैपिंग के संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया है कि 7 दिवसों में उक्त आंगनवाड़ी केंद्र की नियमानुसार मैपिंग कर एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को पदस्थ कर अवगत कराए।

विस्थापित ग्रामों में ग्रीष्म ऋतु के समय पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तथा नल जल योजना की जांच किए जाने के लिए लोक स्वास्थ एवं यांत्रिकी विभाग के संबंधित अधिकारियों को कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया। इन सभी के अलावा भी कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा पी एम किसान योजना, छात्रवृत्ति, समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर द्वारा उक्त सभी प्रकरणों के लिए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही कर एक सप्ताह में पालन प्रतिवेदन जिला कार्यालय में प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया गया है। भ्रमण के दौरान उपसंचालक सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व, अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत माखन नगर आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

शब-ए-बारात आज

सिरोंज और मुरवास में होगा जलसा

सईद खान, सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज आज देश भर में मुस्लिम समुदाय द्वारा शबे बरात का पर्व पारंपरिक अंदाज में मनाया जाएगा इसके लिए मुस्लिम समाज द्वारा पूर्व में ही तैयारी कर ली गई हैं आज जहां एक और सिरोंज मैं स्थित मदरसा रियाजुलमदारीस इस्लामिया में एक जलसे का आयोजन किया जाएगा वहीं मुरवास में भी प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष एक अजीमुश्शान जलसा होगा जिसमें देश के प्रसिद्ध आलिम ए दीन बयान करेंगे।

यह होंगे शामिल : आज रात मुरवास के मदरसे में आयोजित होने वाले जलसे में जमीयत उलेमा ए हिंद के प्रदेश उपाध्यक्ष मौलाना गाजी वली अहमद साहब वली चिश्ती, जामिया इस्लामिया बंजारी महू के संस्थापक मौलाना तसव्वुर हुसैन साहब, मदरसा फैज़ ए हिदायत रहीमी रायपुर उत्तर प्रदेश के शेखउल हदीस मोहम्मद रियाज साहब, दारुल उलूम नदवा तुल उलेमा के उस्ताद मौलाना सोहैब हुसैनी नदवी साहब , जामिया ईशातुलउलूम अक्कल कुआ के शेख उल हदीस रिजवान उद्दीन साहब, ताजुल मसाजिद भोपाल के उस्ताद मौलाना सैयद शराफत अली नदवी साहब मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। वहीं सिरोंज के मदरसा रियाजूल मदरिस इस्लामिया में होने वाले जलसे में मौलाना तसब्बूर साहब, मुफ्ती हसन साहब, मुफ्ती खालिद साहब, मौलाना नसीम साहब बयान करेंगे। इस्लाम धर्म में शब-ए-बारात बेहद खास होती है. इस दिन सभी मुस्लिम धर्म के लोग रात भर जागकर अल्लाह की इबादत करते हैं और गुनाहों की माफी मांगते हैं. चलिए जानते हैं की शब ए बारात मुस्लिमों के लिए क्यूं है खास।

शब ए बरात का परिचयः इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक शब-ए-बारात हर साल शाबान के महीने में आती है. शाबान इस्लामी साल का आठवां महीना होता है. शाबान का महीना रजब के महीने के बाद आता है. जब शाबान का चांद दिखता है, तो उसके 14 दिन बाद शब-ए-बारात होती है. इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक 11 फरवरी सनिचर यानी शनिवार को शाबान का महीना शुरू हो गया था. शाबान के महीने की 15 वीं तारीख को शब-ए-बारात मनाई जाती है जिसे हम 15 शाबान के नाम से भी जानते हैं. शाबान के महीने में 25 फरवरी को मगरिब के बाद से शब-ए-बारात मनाई जाएगी।

शब-ए-बारात की क्या है खासियत

हिंदी में शब को रात कहते हैं और बारात का मतलब है बरी होना या आजाद होना यानी गुनाहों से बरी हो जाना. इस रात की इतनी फज़ीलत है कि अगर कोई सवाब की उम्मीद के साथ इस रात में इबादत करते हुए अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगता है, तो बहुत जल्द उसके गुनाह माफ हो जाते हैं। मदरसा उलूम उल कुरान के मोहतमिम मौलाना जाहिद अली साहब नदवी ने बताया कि कुछ लोगों का मानना है कि इस रात में खास इबादत की जाती है लेकिन इस्लामी मान्यता के मुताबिक इस रात में कोई खास इबादत नहीं की जाती है, जो सुन्नत से साबित हो. हालांकि इस रात में नफली इबादत की जा सकती है. नफली इबादत यानी नफील नमाज़ पढ़ना, कुरआन की तिलावत करना, अल्लाह का जिक्र करना और दुआ करना,अपने गुनाहों की माफी मांगना बगेरा

इसलिए कहते हैं मगफिरत की रात

मौलाना जाहिद नदवी साहब ने कहा कि इस रात को बख्शिश की रात यानी मगफिरत की रात भी कहा जाता है. इस रात मुस्लिम लोग जागकर अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं. इस रात में की गई इबादत से गुनाहों से छुटकारा मिलता है. उन्होंने कहा कि यह रात आधी रात से नहीं बल्कि मगरिब की नमाज के बाद ही शुरू हो जाती है कई लोग शब-ए-बारात के दूसरे दिन रोज भी रखते हैं।

कोर्ट के आदेश का पालन करवाने जिला परिवहन अधिकारी ने की चेकिंग

69 वाहनों पर की कार्रवाई, 9 वाहन करते मिले ओवरलोडिंग, हुए जब्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

परिवहन विभाग के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाने का काम छोटे से लेकर अधिकांश बड़े वाहन चालकों के द्वारा खुलेआम नियमों को ताकत पर रखने का काम किया जा रहा है। कई बड़े वाहन चालकों के द्वारा तो इतनी ज्यादा ओवरलोडिंग की जाती है कि दो वाहनों का सामान एक ही ट्रक में लाद लिया जाता है। जिसमें सबसे ज्यादा ओवरलोडिंग भूसे के साथ अन्य सामग्री की सप्लाई में किया जाता है। कुछ छोटे पंचकों के द्वारा भी इनमें आज क्षमता से दुखनी मात्रा में शान भरने का काम किया जा रहा है ऐसे बानो की जब जांच पड़ताल की तो बड़ी संख्या में ऐसे वहां भी जिला परिवहन अधिकारी की पकड़ में आए। अभी भी कहीं बसों के संचालकों के द्वारा परिवहन विभाग की गाइडलाइन का पालन नहीं करवाया जा रहा है। दूसरी और ड्रेस कोड का पालन किसी भी यात्री बस चालक और मालिकों के द्वारा नहीं करवाया जा रहा है । बीमा से लेकर फिटनेस की कमी देखने को मिल रही है कंडमान सड़कों पर दौड़ रहा है। ओवरलोडिंग होने के कारण कई बार ओवर ट्रैकिंग करने के दौरान दुर्घटना भी हो जाती है । जबलपुर उच्च न्यायालय के द्वारा नवीन नंबर प्लेट लगाने के आदेश जारी किया गया उसका पालन करवाने के लिए शनिवार को जिला परिवहन अधिकारी गिरीश वर्मा अपनी टीम के साथ सड़कों पर उतरे सभी वाहनों की जांच पड़ताल की तो वाहन चालकों में हड़कंप मच गया और उनके सामने नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए कई वाहन मिले इसके बाद इनको रोककर दस्तावेजों चेकिंग की साथ नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई करते हुए नौ वाहनों को तो अलग-अलग स्थान में जप्त करते खड़े करवाने का काम किया है। वैसे 69 वाहनों पर पूरे जिले में कार्रवाई करते हुए 43000 की चलानी राशि भी वसूली गई। चेकिंग की जानकारी लगते ही जिन वाहन चालकों पर परमिट नहीं है बीमा फिटनेस आदि नहीं थे उन्होंने वाहनों को सड़कों पर दौड़ना ही बंद कर दिया। जबलपुर खंडपीठ के द्वारा हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने के आदेश दिए गए हैं। उस नंबर प्लेट को लगाने वाले वाहन चालकों पर जिला परिवहन अधिकारी ने चालानी कार्रवाई करते हुए वाहन चालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि तत्काल हाई सिक्योरिटी बड़ी नंबर प्लेट लगवाने नहीं तो और भी कड़ी कार्रवाई होगी । जिला परिवहन अधिकारी गिरजेश वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि विदिशा शमशाबाद एवं सिरोंज में वाहनों की चेकिंग कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही के दौरान 69 वाहन नियम विरुद्ध चलते पाए मिले इसके उपरांत 60 वाहनों पर नियम विरुद्ध वाहन चलाने पर चालानी कार्रवाई करते हुए वाहनों से शमन शुल्क 43000 वसूल किया गया तथा शेष 09 वाहन अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रकरण बनाकर इनको जप्त करके पुलिस थाना शमशाबाद एवं सिरोंज में सुरक्षार्थ रखे गए।

इस कार्यवाही के दौरान विशेष रूप से वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगी ना होने, वाहनों में वैध प्रपत्र ना होने तथा वाहन में अनुग्येय सीमा के बाहर माल भरे होने के संबंध में कार्यवाही की गई। एक यात्री बस का फिटनेस निरस्त किया गया जिस हालत में बस चले उसको देखते हुए उसकी हालत ठीक नहीं है फिर भी उसका पर फिटनेस प्रमाण पत्र कैसे जारी होगा इसकी भी जांच होनी चाहिए वहीं जिला परिवहन अधिकारी ने बताएं कि वाहन चेकिंग अभियान निरंतर जारी रहेगा।

संत रविदास की मनाई जयंती

अहिरवार समाजजनों ने निकाला चल समारोह

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को संत रविदास जी की जयंती पर नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में कई आयोजन हुए श्री संत रविदास समिति तथा अहिरवार समाज जनों के द्वारा नगर पालिका के पास में स्थित श्री राम जानकी मंदिर पर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई । इसके बाद विशाल-चल समारोह प्रारंभ हुआ जो हाजीपुर से होते हुए बालेज पेट्रोल पंप, छतरी नाका, कस्टम पथ, कठाली बाजार ,चांदनी चौक, कोर्ट गेट, पुरानी बस स्टैंड से होते हुए कृषि उपज मंडी में पहुंचा जहां पर एक धर्म सभा का आयोजन हुआ जिसमें समाज को संगठित व पुरानी कुरीतियों की मिटाने पर जोर-जोर दिया गया वही शोभायात्रा का जगह-जगह विभिन्न समाधान और समाजसेवी संगठन फूलों की बारिश करके स्वागत किया संत रविदास जी की रथ को समाजजन अपने हाथों से खींचते हुए चल रहे थे।

सभी रविदास जी के भजनों में लीन होकर के झूमते नाचते चल रहे थे। मुख्य अतिथि के रूप में वीएल दिनकर, विशेष अतिथि के रूप में मिश्रीलाल अहिरवार पूर्व शिक्षक मौजूद थे । वहीं इस दौरान बड़ी संख्या में समाज जन्म मौजूद थे। भाजपाइयों ने भी किया याद - संत रविदास जी एवं माता शबरी की जयंती गणेश सदन में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भक्ति और प्रेम मार्ग से जीवन को सात्विक दिशा देने वाले संतो का अनुसरण कर समाज मे कुरीतियों को समाप्त करने तथा जन जागृति के लिए संकल्पित भी हुए। भारतीय जनता पार्टी नगर मण्डल के तत्वाधान में विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव, मंडल महामंत्री सुमंत मित्तल, पार्षद टीकाराम शाक्य ने संत रविदास जी के जीवन चरित का वर्णन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने पर जोर दिया। दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ, संतोष रघुवंशी, पंडित प्रशांत पालीवाल, सचिन शर्मा आदि मौजूद थे। इसी तरह मुगलसराय में पूर्व सरपंच वीरेन पालीवाल ने भी संत रविदास जी की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन कर रविदास जी के चरणों पर श्रद्धा सुमन अर्पित करके उनके बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प भी ग्रामीणों को दिलाया।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजनाः आज होंगे 166 जोड़ों के विवाह एवं निकाह एक छत के नीचे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत आज कृषि उपज मंडी में सम्मेलन का आयोजन की जाएगा जिसमें सिरोंज लटेरी क्षेत्र के 166 जोड़ों के विवाह एवं निकाह एक छत के नीचे संपन्न होंगे सुबह 8 बजे से सभी जोड़ों का पंजीयन होगा ।इसके बाद अन्य रस्मो की साथ पूरी रीति रिवाज से विवाह एवं निकाह संपन्न कराए जाएंगे। 87 जोड़ों के हाथ पीले होंगे एवं 79 जोड़ों के निकाह कजियो के द्वारा पढ़े जाएंगे इसके लिए व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है। इस योजना के अंतर्गत जोड़ों को 49000 की राशि का चेक भी प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा ऐसे विवाह ,निकाह होने की संभावना भी है जिनकी शादियां पहले से ही हो चुकी है । पर शासन की योजना का लाभ लेने के लिए सम्मेलन में एक बार फिर शादी करके इस योजना के अंतर्गत लाभ लेने का प्रयास कर सकते हैं ऐसी जानकारी सामने आई है। इस पर भी प्रशासन को ध्यान देना होगा।

टीआई यादव ने संभाली कुरवाई की कमान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। कुरवाई नवागत टीआई राजकुमार यादव ने कुरवाई थाना प्रभारी का पदभार ग्रहण कर लिया है। टीआई जसवंत सिंह मीणा का शमशाबाद ट्रांसफर हो जाने से उन्हें कुरवाई थाना स्टाफद्वारा विदाई दी गई। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर सियाराम शर्मा, लायरा चौकी प्रभारी शैलेंद्र नायक, सबइंस्पेक्टर पूजा रावत, हेड कांस्टेबल शेर सिंह रघुवंशी, सैनिक ओमप्रकाश दुबे, देवराज सिंह सहित पुलिस स्टाफमौजूद था।

मेट्रो एंकर | **पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में आयोजन**

सिरोंज महोत्सव मेले में कवि सम्मेलन हुआ देश के नामी कवियों ने बांधा समां

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पूर्व मंत्री स्व.श्री लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में आयोजित हो रहे सिरोंज महोत्सव मेले में शनिवार को विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कवि सम्मेलन में देश के नामी कवियों ने देर रात तक अपने गीत गजल हास्य एवं ओजपूर्ण रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कवि सम्मेलन में विधायक उमाकांत शर्मा ने भी सहभागिता करते हुए देर रात तक कवि सम्मेलन का आनंद लिया। रात करीब दस बजे प्रारम्भ हुए कवि सम्मेलन का शुभारंभ पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा एवं महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रजलन कर किया गया। इसके उपरांत दिल्ली से पधारी श्रृंगार की कवियत्री खुशबू शर्मा ने माँ सरस्वती की वंदना करते हुए कवि सम्मेलन का आगाज किया। इस अवसर पर मंच का संचालन कर रहे मेरठ से वीर रस के कवि सौरभ जैन सुमन ने सबसे पहले हास्य रस के कवि विनोद पाल से कविता पाठ कराया अपनी व्यंग्यात्मक शैली से खूब हंसाया। इसके बाद अबुजर नवेद ने अपनी गजल ओर शेर के माध्यम से सिरोंज की हिन्दू-मुस्लिम एकता और भाईचारे पर अपनी रचनाओं से मंत्रमुग्ध किया। देर रात तक चले इस कवि सम्मेलन को सुनने ओर पहुँचे विधायक उमाकांत शर्मा ने मंच पर पहुँचकर देश के विभिन्न हिस्सों से यहाँ पहुँचे कवियों का शाल केसरिया पटका गोटे की माला पहनाकर तथा मिठाई भेंट कर सम्मान स्वागत किया। स्वागत संचालन पार्षद सचिन शर्मा ने एवं आभार नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व नपाध्यक्ष पूरनचंद साहू, विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव, नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, बलजीत यादव, पार्षद इमरान कुरैशी सहित सैकड़ों की संख्या में नगर के गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहें। देशी घी की मिमिक्री ने लूटी तालियां - सुमन ने बढ़ाया खाकी का मान - कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे देश के प्रसिद्ध कवि ओर लाफ्टर किंग सरदार प्रताप फौजदार ने अपने व्यंग्यात्मक चुटकुलों ओर करुणा की पंक्तियां पड़ते हुए कहा कि में दौलत का पुजारी हूँ वो रास्ते का भिखारी है हिकारत से उसे देखूँ तो लम्हा मुझे डांट देता है वो रोटी मांग कर लाता है और सबमें बाँट देता है। उन्होंने पूर्व संस्कृति मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा को याद करते हुए उन्हें एक नेक सच्चा इंसान बताते हुए कवि प्रतिभाओं को मंच देकर कला का सम्मान करने वाला व्यक्तित्व बताते श्रद्धांजलि भी समर्पित की। उज्जैन से पधारे हास्य के कवि दिनेश देशी घी ने अपनी मिमिक्री भरी रचनाओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। उन्होंने व्यंगात्मक शैली में भारत की प्राचीन संस्कृति को आधुनिकता की चकाचौंध से तुलना करते हुए कविताओं पर तालियां बटोरी। कवि सम्मेलन के मंच का संचालन कर रहे मेरठ से पधारे वीररस के कवि सौरभ जैन सुमन ने पुलिस की खाकी वर्दी के त्याग परिश्रम और देशभक्ति भावना से ओतप्रोत कविता का पाठ किया। इन दौरान उन्होंने काययक्रम की सुरक्षा व्यवस्था में लगे नगर निरीक्षक संदीप पवार को मंच पर बुलाकर सम्मानित भी किया।

epaper.dopaharmetro.com

तुर्की महिला कप - 2024

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने रचा इतिहास

बेनोनी, एजेंसी

मनीषा कल्याण ने तुर्की महिला कप के पहले मैच में एस्टोनिया के खिलाफ भारतीय टीम की 4-3 की जीत से सुर्खियां बटोरीं, जिससे इतिहास की किताबों में एक नया पन्ना जुड़ गया, क्योंकि इससे पहले भारत ने महिला फुटबॉल में कभी किसी यूरोपीय देश को नहीं हराया था। राष्ट्रीय महिला सीनियर टीम ने पहले कभी एस्टोनिया का सामना नहीं किया था और उन्हें हराने से तुर्की महिला कप में हांगकांग और कोसोवो के खिलाफ आगामी खेलों के लिए अतिरिक्त बढ़ावा मिला। टीम एक साल से लगातार हार के साथ अपनी फॉर्म से जूझ रही थी। इतने महीनों के बाद जीत हासिल करना सार्थक था, क्योंकि सभी ने मुस्कुराहट और हंसी के साथ जश्न मनाया और इस पल का भरपूर आनंद लिया। मनीषा कल्याण ने कहा, यह वास्तव में अच्छा लगता है, और तीन अंक अर्जित करना हमारे लिए महत्वपूर्ण था। यह हमारे लिए अच्छी शुरुआत है और टीम कल की जीत से खुश भी है। धैर्य महत्वपूर्ण है, विशेषकर चुनौतीपूर्ण मैचों के दौरान, जब हमें लगता है कि स्कोर करना महत्वपूर्ण है। बीच-बीच में जब मेरे शॉट छूट जाते थे तो मुझे चिड़चिड़ाहट महसूस हो रही थी, लेकिन मुझे पता था कि मैं गोल करूंगी। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं कभी भी अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हूं। मुझे पता है कि मैं अपनी फिनिशिंग के साथ और अधिक क्लिनिकल हो सकता था और कुछ चूके हुए मौकों और गलत पासों से बच सकता था। मैं लक्ष्य के सामने अपनी सटीकता में सुधार करने और गोल करने में अधिक योगदान देने की कोशिश करूंगी।जब उनसे पूछा गया कि यूरोपीय टीम के खिलाफ जीत कितनी महत्वपूर्ण थी, तो उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि ज्यादातर लोग यूरोपीय फुटबॉल की श्रेष्ठता को पहचानते हैं, लेकिन ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेना हमारी टीम के लिए एक अमूल्य अनुभव है। यह हमारा आत्मविश्वास बढ़ाता है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

कियारा आडवाणी ने अपनी शादी को लेकर बात की

बोलीं- मैंने करियर की बड़ी फिल्में सिद्धार्थ से शादी के बाद साइन की

कियारा आडवाणी ने सिद्धार्थ मल्होत्रा से शादी करने के बाद अपने करियर की दो सबसे बड़ी फिल्में साइन करने के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ऑडियंस उनके मैरिटल स्टेटस को एक्सेप्ट कर रही है। कियारा आडवाणी आजकल बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं। पिछले साल कियारा ने सिद्धार्थ मल्होत्रा से शादी की। ऐसे में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी शादी और करियर को लेकर खुल कर बात की। कियारा ने कहा- जब मैं और सिद्धार्थ शादी कर रहे थे, उस वक्त कुछ-कुछ बातें सुनने को मिल रही थीं। लोगों का कहना था- हे भगवान! ये अब शादी क्यों कर रही है? अभी ये अपने करियर के पीक पर पहुंच रही है और ऐसे में शादी क्यों? लेकिन मुझे लगता है अब हमारी ऑडियंस को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि एक्ट्रेस शादीशुदा है या नहीं।

हमारी ऑडियंस अब इवॉल्व हो गई है

कियारा ने कहा- चाहे कोई शादीशुदा हो, कोई मां हो, बेटी हो या कुछ भी हो, अब इस बात से दर्शकों को कुछ लेना-देना नहीं है। मैं कह सकती हूं कि शादी के बाद मैंने अपने करियर की दो सबसे बड़ी फिल्में साइन की हैं। अगर आप देखेंगे तो आज हमारी इंडस्ट्री में शादीशुदा एक्ट्रेसेस टॉप पर हैं। यह बात ही खुद बयां करती है कि समय बदल चुका है। सच कहूं तो यह एक बहुत ही पॉजिटिव चेंज है।

कियारा, रणवीर के साथ 'डॉन 3' में नजर आएंगी

कियारा आडवाणी ने अपनी आने वाली फिल्म 'डॉन 3' के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा- मैं इस फिल्म के लिए एक्साइटिड हूं। मैं काफी समय से कुछ अलग करना चाह रही थी। डॉन 3 एक ऐसी फिल्म है, जिसमें मुझे कुछ अलग करने को जरूर मिलेगा। इसलिए मैं काफी खुश हूं। मुझे यह बहुत रोमांचक बात लगती है कि बतौर एक्टर आपको हमेशा अलग-अलग किरदार परफॉर्म करने का मौका मिलता है। मैं जानती हूं कि फिल्म की तैयारी करने के लिए मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी। हां, मेरे पास तैयारी के लिए समय भी है। हालांकि मैंने कभी कोई एक्शन फिल्म नहीं देखी है, लेकिन अब मेरे लिए कुछ एक्शन करने का वक्त जरूर आ गया है।

फिल्म में नजर आएंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ राशि खन्ना

'योद्धा' के टीजर ने जीते दिल

सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'योद्धा' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने इसका पहला गाना 'जिंदगी तेरे नाम' रिलीज कर दिया है। इस गाने में अभिनेता और राशि खन्ना की केमिस्ट्री देखते ही बन रही है, जो दोनों के फैंस के लिए किसी विजुअल ट्रीट से कम नहीं है। 'जिंदगी तेरे नाम' गाने को विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। यह गाना एक सुखदायक रोमांटिक ट्रैक है, जो मुख्य जोड़ी के बीच सुंदर और खूबसूरत केमिस्ट्री को दर्शाता है। सिद्धार्थ और राशि खन्ना कश्मीर की बेहतरीन जगहों पर रोमांस फरमाते बेहद प्यारे लग रहे हैं। कौशल किशोर और विशाल मिश्रा द्वारा लिखा गया यह गाना भावपूर्ण और आकर्षक हैं, जो दर्शकों का खासा ध्यान आकर्षित कर रहा है। जिंदगी तेरे नाम गाने का टीजर रिलीज किया गया था और इसे दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। हाल ही में फिल्म योद्धा का टीजर जारी किया गया था, जिसे भी दर्शकों के जरिए खूब सराहा गया। टीजर में हाई-ऑक्टेन स्टंट और सीक्वेंस देखने को मिले, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखने का वादा करते हैं। टीजर में दिखाया गया कि कमांडो की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने के लिए मल्होत्रा ने किस तरह तैयारी की। वह जबरदस्त एक्शन सीन करते लोगों का दिल जीतने में सफल रहे। योद्धा की बात करें तो यह धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। साथ ही इसका निर्देशन सागर अंब्रे और पुष्कर ओझा ने मिलकर किया है। फिल्म में दिशा पटानी भी अहम भूमिका में हैं। योद्धा एक बहादुर सैनिक की कहानी है जो एक अपहरण किए गए विमान के यात्रियों को बचाने के लिए सभी बाधाओं से लड़ता है। यह फिल्म 15 मार्च, 2024 को रिलीज होगी।

भारत और इंग्लैंड का रांची में टेस्ट सीरीज का चौथा मैच

अश्विन ने एक ओवर में किए दो शिकार, इंग्लैंड की हालत खराब

रांची, एजेंसी

इंग्लैंड ने 10 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान के साथ 45 रन बनाए. जैक क्रॉली 31 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 31 रन बनाकर खेल रहे हैं. जो रूट 5 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं. इन दोनों के बीच 26 रनों की साझेदारी हुई है. भारतीय गेंदबाज विकेट की तलाश में हैं. इंग्लैंड ने 7 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान के साथ 24 रन बनाए. उसने 70 रनों की बढ़त बना ली है. टीम के लिए जैक क्रॉली 20 गेंदों में 7 रन बनाकर खेल रहे हैं. जो रूट 6 गेंदों में 2 रन बनाकर खेल रहे हैं. भारत को रविचंद्रन अश्विन 2 विकेट दिला चुके हैं.रविचंद्रन अश्विन ने टीम इंडिया को दूसरी सफलता दिलाई. उन्होंने ओली पोप को आउट कर दिया है. अंपायर ने आउट का इशारा दिया है. लेकिन पोप ने रिव्यू लिया है. लेकिन वे इसमें भी नहीं बचे. ओली पोप एलबीडब्ल्यू आउट हुए. वे गोल्ड डक हो गए हैं. इंग्लैंड ने 5 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान के साथ 19 रन बनाए।

बेन डकेट 15 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट

बेन डकेट 15 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए. उन्होंने 2 चौके लगाए. डकेट को रविचंद्रन अश्विन ने पवेलियन का रास्ता दिखाया. अब ओली पोप बैटिंग करने पहुंचे हैं. इंग्लैंड की दूसरी पारी शुरू हो चुकी है. टीम के लिए जैक क्रॉली और बेन डकेट बैटिंग कर रहे हैं. टीम इंडिया ने रविचंद्रन अश्विन को पहला ओवर सौंपा. उन्होंने इस ओवर में सिर्फ 2 रन दिए. दूसरा ओवर रवींद्र जडेजा ने किया. इंग्लैंड ने इस ओवर से 5 रन बटोरे. इंग्लैंड का 2 ओवरों के बाद स्कोर 7 रन हो गया है. टीम इंडिया के ऑल आउट होने के बाद इंग्लैंड को 46 रनों की बढ़त बन गई है. उसने पहली पारी में 353 रन बनाए थे. टीम इंडिया ने इसके जवाब में पहली पारी में 307 रन बनाए. अब लंच ब्रेक के बाद मुकाबले की शुरुआत होगी।

रणजी ट्रॉफी में भी नहीं चल पाया बल्ला

अजिंक्य रहाणे की टेस्ट में वापसी के आसार हुए खत्म!

मुंबई, एजेंसी

रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे महज 3 रन बनाकर बोल्ड हो गए. बड़ौदा के भार्गव भट्ट ने उन्हें पवेलियन भेजा. रहाणे केवल इसी मुकाबले में ही नहीं बल्कि इस बार पूरी रणजी ट्रॉफी में फ्लॉप रहे हैं. इस सीजन का यह उनका छठा रणजी मैच है. उन्होंने 9 पारियां खेली हैं लेकिन इस दौरान वह केवल एक बार 25 रन के पार जा पाए हैं. घरेलू क्रिकेट में उनका यह फ्लॉप शो उन्हें अब टीम इंडिया से परमानेंट छुट्टी दिला सकता है.

रहाणे आखिरी बार जुलाई 2023 में टीम इंडिया की जर्सी में नजर आए थे. वेस्टइंडीज दौरे पर वह भारतीय टीम का हिस्सा थे. लेकिन इसके बाद उन्हें न तो दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया की टेस्ट स्क्वाड में जगह मिली और न ही इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही वर्तमान टेस्ट सीरीज में उन्हें मौका मिला. उनके पास रणजी ट्रॉफी खेलकर अपना फॉर्म साबित करने और टीम इंडिया में वापसी की उम्मीद

जगाने का मौका था लेकिन उन्होंने यह मौका भी गंवा दिया. रहाणे ने इस सीजन रणजी ट्रॉफी की अपनी नौ पारियों में क्रमशः 0, 0, 16, 8, 9, 1,56,22 और 3 रन बनाए. यानी वह केवल एक बार अर्धशतक जड़ सके। रहाणे पहली बार फर्स्ट क्लास क्रिकेट में इतने बुरे दौर से गुजर रहे हैं। टीम इंडिया की टेस्ट स्क्वाड में युवा खिलाड़ियों की भरमार हो गई है. खास बात यह भी है कि सभी अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं. यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, केएस भरत जैसे नए खिलाड़ियों ने टेस्ट में मिले मौकों को अच्छी तरह से भुनाया है।

आईपीएल: दिल्ली कैपिटल्स को लग सकता है झटका

चोटिल हुए डेविड वॉर्नर पिछले सीजन में कर चुके हैं कप्तानी

डॉर्सेट, एजेंसी

आईपीएल 2024 शुरू होने में अब एक महीने से भी कम वक्त बचा है। इससे पहले ही दिल्ली कैपिटल्स की टीम के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। डेविड वॉर्नर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले से पहले चोटिल हो गए हैं। उन्हें तीसरे टी20 से पहले ग्रोइन इंजरी हुई है और वह आखिरी मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। यह वॉर्नर की आखिरी द्विपक्षीय टी20 सीरीज है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को कोई द्विपक्षीय टी20 सीरीज नहीं खेलनी है और टीम सीधे जून में होने वाले टी20 विश्व कप में हिस्सा लेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम फिलहाल तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 से आगे है।

वॉर्नर जल्द ठीक हो सकते हैं

हालांकि, फीजियो का कहना है कि वॉर्नर को फिट होने में बस कुछ वक्त का समय लगेगा। इससे उनकी आईपीएल 2024 और वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में भागीदारी पर कोई खतरा नहीं है। वॉर्नर दूसरे

टी20 में भी नहीं खेले थे, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 72 रन से जीत दर्ज की। टीम अधिकारियों ने दावा किया था कि डेविड को आराम दिया गया है। 37 वर्षीय वॉर्नर दूसरे टी20 के दौरान मैदान पर दिखे थे और यहां तक कि प्री-मैच चर्चा के लिए भी दिखाई दिए थे। उन्होंने 12वें खिलाड़ी की जिम्मेदारी नहीं निभाई। सीरीज से पहले वॉर्नर ने न्यूजीलैंड के फैंस की गलत रवैये के बारे में बात की थी। पिछले बुधवार को वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम में सीरीज के शुरुआती मैच में 32 रन पर आउट होने के बाद वॉर्नर की जमकर हूटिंग हुई थी।

यामी गौतम के एक्शन अवतार के कायल हुए फैंस, कहानी ने लूटा बॉक्स ऑफिस...

यामी गौतम की फिल्म 'आर्टिकल 370' का उनके फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे. फिल्म 23 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज हो गई है और फिल्म को ऑडियंस का अच्छा रिस्पॉन्स भी मिल रहा है. पहले दिन शानदार ऑपनिंग के बाद अब फिल्म दूसरे दिन भी अच्छा परफॉर्म कर रही है और सिनेमाघरों में अपना दबदबा बनाए हुए है. आर्टिकल 370 ने पहले दिन 5.9 करोड़ की शानदार ओपनिंग की थी. अब दूसरे दिन फिल्म को वीकेंड का फायदा मिल रहा है और फिल्म के शुरुआती आंकड़े भी सामने आ गए हैं. शनिवार को फिल्म ने अब तक 1.96 करोड़ रुपए बटोर चुकी है. इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर आर्टिकल 370 का टोटल कलेक्शन 7.86 करोड़ रुपए हो गया है. 'क्रैक' के साथ क्लैश आर्टिकल 370 सिनेमा लवर्स डे के मौके पर रिलीज हुई. अहम बात ये है कि आर्टिकल 370 विद्युत जामवाल और नोरा फतेही स्टारर फिल्म क्रैक के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराई है. इसके बावजूद फिल्म अच्छा कमा रही है और क्रैक को मात भी दे रही है. पहले दिन आर्टिकल 370 ने 5.9 करोड़ के कलेक्शन के साथ क्रैक को पछाड़ा था जिसने 4.25 करोड़ की ओपनिंग की थी. अब दूसरे दिन भी यामी गौतम की फिल्म क्रैक को शिकस्त दे रही है. आर्टिकल 370 कश्मीर की कहानी जम्मू-कश्मीर को दिए गए विशेष दर्जे को रद्द करने के पीएमओ के फैसले पर बेस्ड है। फिल्म में यामी गौतम, प्रियामणि, किरण कर्माकर और अरुण गोविल अहम रोल अदा करते दिखाई दिए हैं।

नर्वस सिस्टम पर टिका है पूरा शरीर, इस चीज की कमी से पड़ता है बीमार, ये जरूरी काम हो जाएंगे बंद

Life&Style METRO

विटामिन बी12 की कमी नर्वस सिस्टम पर काफी भारी पड़ती है। इसकी वजह से दिमाग और नसों का फंक्शन कमजोर हो जाता है। जिस वजह से कई सारे काम करने की क्षमता खत्म हो जाती है। आइए इस समस्या से बचाने वाले फूड्स के बारे में जानते हैं।

नर्वस सिस्टम है बेहद जरूरी

हमारे शरीर में सारे सिस्टम काम कर रहे होते हैं जिसमें कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम, रिप्रॉडक्टिव सिस्टम, डायजेस्टिव सिस्टम, इम्यून सिस्टम आदि आते हैं। मगर ये सारे तंत्र भी नर्वस सिस्टम के सहारे चल रहे होते हैं। इसके अंदर आपका दिमाग, स्पाइनल कॉर्ड और नर्व्स आती हैं। नर्वस सिस्टम दिमाग के सिग्नल अलग-अलग अंगों को पहुंचाने और पोषण देने का काम करता है।

बीमार सिस्टम से फंक्शन पर पड़ेगा असर

उंगली हिलाने जैसे छोटे काम से लेकर दिल धड़कने जैसे महत्वपूर्ण फंक्शन को नर्वस सिस्टम रेगुलेट करता है। क्लीवलैंड क्लीनिक के अनुसार आपकी सोच, याददाश्त, मूवमेंट, सूंघने-सुनने-महसूस करने-स्वाद लेने जैसे अनुभव, घाव भरना, नींद, धड़कन, डायजेशन, एजिंग आदि इसी नर्वस सिस्टम पर चलती हैं। नर्वस सिस्टम से अल्जाइमर, कैंसर, सेरेब्रल पाल्सी, एपिलेप्सी, इंफेक्शन, पार्किंसन, स्ट्रोक, ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी जैसी बीमारियां नर्वस सिस्टम खराब होने से होती हैं।

इस सिस्टम के लिए जरूरी है ये विटामिन

यह तंत्र सेंट्रल नर्वस सिस्टम और पेरीफेरल नर्वस सिस्टम में बंटा होता है। विटामिन बी12 नर्वस सिस्टम के मेटाबॉलिज्म के लिए महत्वपूर्ण होता है खासकर सेंट्रल नर्वस सिस्टम के लिए जरूरी है। जिसमें दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड आती हैं। इसके अलावा रेड ब्लड सेल्स और सेल्स डिविजन में भी इसका योगदान रहता है।

इन फूड्स को खाएं

विटामिन बी12 की कमी में जानवरों की कलेजी, अंडा, दूध, डेयरी प्रॉडक्ट, फोर्टिफाइड न्यूट्रिशनल यीस्ट, सैल्मन मछली, फोर्टिफाइड नॉन डेयरी मिल्क आदि का सेवन करना चाहिए। इनमें भर भरकर कोबालामिन मौजूद होता है।

मेंटल हेल्थ के लिए जरुरी

नर्वस सिस्टम उन तंत्रों में शामिल है जिनका असर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बराबर पड़ता है। इसलिए इसे कभी भी नजरअंदाज करने की कोशिश ना करें।

कलश शोभायात्रा निकाली

भोपाल. पहली बार गर्भवतियों के लिए कथा का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को एक हजार कलश के साथ शोभायात्रा निकाली। कथा वाचक पंडित रामस्वरूप मानवत 28 फरवरी तक प्रतिदिन कथा सुनाएंगे।

ढाबे से सामान चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर स्थित एक ढाबे से सामान चोरी करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से कुल अस्सी हजार का माल बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक महेश विश्वकर्मा (29) अयोध्या नगर में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वीरा ढाबे का ताला तोड़कर चोर ग्राइंडर और ड्रिल मशीन समेत अन्य सामान चोरी कर ले गया है। पुलिस ने इस मामले में पवन कठोतिया (19) निवासी काकड़ा क्रशर बस्ती अयोध्या नगर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से करीब अस्सी हजार रुपये का चोरी का माल बरामद हुआ है।

दो सगे भाइयों ने विवाद में युवती को मारा चाकू, हथेली में गंभीर चोट

भाई से शादी करने की जिद पर युवती को मारा चाकू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित चाणक्यपुरी में कल रात दो सगे भाइयों ने एक युवती से मारपीट करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू का हमला युवती ने हाथ से रोका तो उसकी हथेली बुरी तरह से कट गई। विवाद की वजह भाई से शादी की जिद करने की बात सामने आई है। दरअसल, युवती आरोपियों के भाई से शादी की जिद कर रही थी और वह चाहते थे कि भाई युवती से शादी न करें।

फाइल फोटो

पुलिस के अनुसार निशा मुसलमान पिता खैराती मुसलमान (20) चाणक्यपुरी, ऐशबाग में रहती हैं। मूलत- ब्रिज के नीचे स्टेशन राहतगढ़ निवासी निशा यहां पन्नी बीनने का काम करती है। निशा ने पुलिस को बताया कि नूर अली से उसका प्रेम प्रसंग चल रहा है और नूर अली और वह शादी करना चाहते हैं। जबकि नूर अली के भाई जानिम और शमशेर उनकी शादी सो नाखुश है। वे नहीं चाहते थे कि नूर अली निशा से शादी करें। इसी बात को लेकर निशा से जानिम और शमशेर का चाणक्यपुरी पार्किंग के पास विवाद हो गया। विवाद के बाद आरोपी जानिम और शमशेर ने निशा से मारपीट कर दी और चाकू से हमला कर दिया। घर से कुछ दूरी पर ही हुए विवाद के बाद निशा ने शोर मचाया तो उसकी मदद के लिए परिजन पहुंचे और उसे आरोपियों से बचाया, लेकिन आरोपी उस पर चाकू से हमला कर चुके थे और उसकी हथेली बुरी तरह से कट चुकी थी। निशा शिकायत लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

रात में की शराब और मुर्गा पार्टी, सुबह बेडरूम में फंदे पर शव

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित प्रीत नगर में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग?कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार ब्रजेश तमोली (40) प्रीत नगर में किराए के मकान में रहता?था। उसके घर से कुछ दूरी पर उसका साला और ससुराल पक्ष रहता है। ब्रजेश शराब और गांजा पीने का आदी था। उसकी लत से परिजन और रिश्तेदार परेशान थे। परिजन ने बताया कि शनिवार रात घर में मुर्गा बना था। ब्रजेश ने दारू पी और मुर्गा खाने के बाद सो गया। उसके पास उसकी पत्नी भी सोई थी। उसकी पत्नी मूकबधिर है और सुन भी नहीं पाती है। शनिवार तड़के उसकी नींद खुली तो उसने पति को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद अपने भाई को घटना की जानकारी दी। परिजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग?कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

रेलवे ट्रैक पर मिली अज्ञात युवक की लाश

फाइल फोटो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित सिंगारचोली में कल शनिवार शाम एक युवक की लाश रेलवे ट्रैक पर मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी है। मृतक के पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस उसकी शिनाख्त करने के प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार शनिवार शाम सूचना मिली थी कि सिंगारचोली रेलवे ट्रैक पर किसी युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया। मृतक की उम्र करीब 45 साल के आसपास बताई जा रही है।

मल्टी की चौथी मंजिल में लगी भीषण आग

गृहस्थी का सामान जला, आधा दर्जन फायर ब्रिगेड और टैंकर ने किया काबू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित बीडीए कॉलोनी में बीती रात करीब पौने दो बजे के आसपास एक फ्लैट में भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया। इस आगजनी में लाखों रुपए का गृहस्ती का माल जलकर खाक हुआ है। नगर निगम के फायर ब्रिगेड चालक इरशाद अली ने बताया कि शनिवार - रविवार की दरमियानी रात करीब 1.45 बजे के आसपास आग की सूचना मिली थी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने हाइड्रोलिक की मदद से करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू कर लिया। उक्त मकान किसी प्रदीप नायर का बताया जा रहा है। आगजनी की इस घटना के बारे में पुलिस से पूछताछ की गई तो पुलिस ने अपनी दलील में बताया कि घर की सफाई की जा रही है। सफाई के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

अमानत में खयानत के मामले में फरार आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हनुमानगंज पुलिस ने अमानत में खयानत के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ हनुमानगंज और कोतवाली थाने में दर्ज मामलों में स्थाई वारंट भी जारी था।

पुलिस के मुताबिक महेश कुमार विश्वकर्मा निवासी जिला अशोक नगर की रिपोर्ट पर बोहरा

टूल्स के संचालक शब्बर अली के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया गया था। पिछले साल अगस्त 2023 में केस दर्ज होने के बाद से ही शब्बर खान फरार हो गया था। उसकी तलाश में पुलिस टीम लगाई गई थी। पिछले दिनों सूचना मिली कि शब्बर मुंबई में हुलिया बदलकर रह रहा है। मुंबई पहुंचकर पुलिस टीम ने चार दिनों तक इलाके में तलाश की और उसे तलोजा रोड, नवी मुंबई से गिरफ्तार कर लिया।

मेट्रो एंकर | मोबाइल कॉल आने के बाद हुआ था विवाद

पति के चरित्र पर संदेह कर पत्नी ने खाया जहर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित जनता क्वार्टर बाग फरहत अफजा में शनिवार शाम एक नव विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया। पति उसे दोस्त की कार से हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचा था। वहां इलाज के दौरान देर रात नव विवाहिता की मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग जांच एसीपी जहांगीराबाद द्वारा की जाएगी।

पुलिस के अनुसार नजमा पति शाबिर खान (35) जनता क्वार्टर ऐशबाग में रहती थी। शाबिर भोपाल से बकतरा के बीच बस चलाता है। शाबिर और नजमा की शादी चार तीन साल पूर्व हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं। दंपती का एक

फाइल फोटो

बच्चा दूधमुंहा है। कल शनिवार शाम शाबिर घर पर था। इस दौरान उसके मोबाइल पर किसी परिचित महिला का कॉल आया। इस बात को लेकर दंपती में विवाद बढ़ गया। विवाद बढ़ने के बाद नजमा मेडिकलगई थी। वहां से घर लौटने के बाद उसने नहाया और बाथरूम से बाहर निकली। कुछ देर बाद वह उल्टियां करने लगी। शाबिर ने उससे उल्टियां करने का कारण पूछा था। इस दौरान नजमा ने बताया कि उसने जहरीला पदार्थ खा लिया।

दोस्त की कार से लेकर पहुंचा अस्पताल

शाबिर नजमा को लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचा ?था। वहां डॉक्टर ने उसे भर्ती करते हुए इलाज शुरू कर दिया, लेकिन उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती रही और रात में उसकी मौत हो गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022